SAMPLE

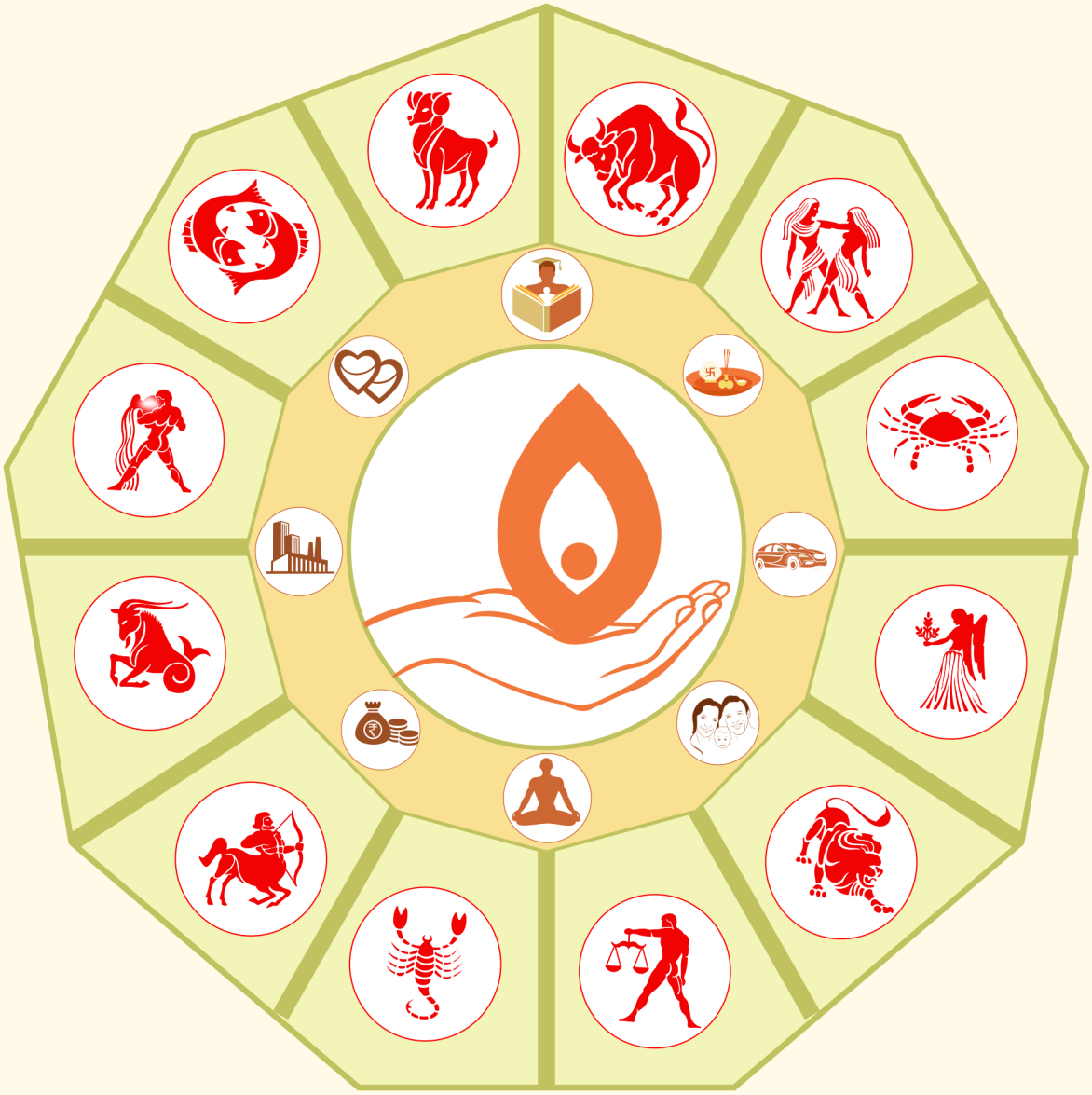

Jeewan Chakra

MindSutra Software Technologies
A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,
Uttam Nagar, New Delhi-110059

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्पेयं महाद्युतिम्। तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽस्मि दिवाकरम्।।
दधिशंखतुषाराभं क्षीरोदार्णवसम्भवम्। नमामि शशिनं सोमं शम्भोर्मुकुटभूषणम्।।
धरणीगर्भसम्भूतं विद्युत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्। सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम्।।
देवानां च ऋषिणां च गुरुं कांचनसंनिभम्। बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम्।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्। सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम्।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्। छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।
अर्धकायं महावीर्यं चन्द्रादित्यविमर्दनम्। सिंहिकागर्भसम्भूतं तं राहुं प्रणमाम्यहम्।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्। रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत् सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भविष्यति।
नरनारीनृपाणां च भवेद्दुःस्वप्ननाशम्।
ऐश्वर्यमतुलं तेषामारोग्यं पुष्टिवर्धनम्।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

जो जपापुष्प के समान अरुणिम आभावाले, महान तेज से संपन्न, अंधकार के विनाशक, सभी पापों को दूर करने वाले तथा महर्षि कश्यप के पुत्र हैं, उन सूर्य को मैं प्रणाम करता हूं। जो दधि, शंख तथा हिम के समान आभा वाले, क्षीर समुद्र से प्रादुर्भूत, भगवान शंकर के शिरोभूषण तथा अमृतस्वरुप हैं, उन चंद्रमा को मैं नमस्कार करता हूं। जो पृथ्वी देवी से उद्भूत, विद्युत् की कान्ति के समान प्रभावाले, कुमारावस्था वाले तथा हाथ में शक्ति लिए हुए हैं, उन मंगल को मैं प्रणाम करता हूं। जो प्रियंगु लता की कली के समान गहरे हरित वर्ण वाले, अतुलनीय सौन्दर्य वाले तथा सौम्य गुण से संपन्न हैं, उन चंद्रमा के पुत्र बुध को मैं प्रणाम करता हूं। जो देवताओं और ऋषियों के गुरु हैं, स्वर्णिम आभा वाले हैं, ज्ञान से संपन्न हैं तथा लोकों के स्वामी हैं, उन बृहस्पति जी को मैं नमस्कार करता हूं। जो हिम, कुन्दपुष्प तथा कमलनाल के तन्तु के समान श्वेत आभा वाले, दैत्यों के परम गुरु, सभी शास्त्रों के उपदेष्टा तथा महर्षि भृगु के पुत्र हैं, उन शुक्र को मैं प्रणाम करता हूं। जो नीले कज्जल के समान आभा वाले, सूर्य के पुत्र, यमराज के ज्येष्ठ भ्राता तथा सूर्य पत्नी छाया तथा मार्तण्ड से उत्पन्न हैं, उन शनैश्चर को मैं नमस्कार करता हूं। जो आधे शरीर वाले हैं, महान पराक्रम से संपन्न हैं, सूर्य तथा चंद्र को ग्रसने वाले हैं तथा सिंहिका के गर्भ से उत्पन्न हैं, उन राहु को मैं प्रणाम करता हूं। पलाश पुष्प के समान जिनकी आभा है, जो रुद्र स्वभाव वाले और रुद्र के पुत्र हैं, भयंकर हैं, तारकादि ग्रहों में प्रधान हैं, उन केतु को मैं प्रणाम करता हूं। भगवान वेदव्यास जी के मुख से प्रकट इस स्तुति का जो दिन में अथवा रात में एकाग्रचित्त होकर पाठ करता है, उसके समस्त विघ्न शान्त हो जाते हैं, स्त्री–पुरुष और राजाओं के दुःस्वप्नों का नाश हो जाता है। पाठ करने वालों को अतुलनीय ऐश्वर्य और आरोग्य प्राप्त होता है तथा उनके पुष्टि की वृद्धि होती है।

ज्योतिष सारिणी

मुख्य विवरण

जन्म दिनाकं	18:12:1973(मंगलवार)
जन्म समय	01:45:00
जन्म स्थान	new delhi
अक्षांश	028:36:00N
रेखांश	077:12:00E
यु./ग्रीष्म समय संस्कार	-00:00
जी. एम. टी. समय	020:15:00
स्थानीय समय	001:23:48 hrs
सांपातिक काल	007:09:02 hrs
स्थानीय समय संस्कार	-000:21:11
अयनांश	N.C.Lahiri(023:29:36)
सूर्योदय	07:11:19AM
सूर्यास्त	05:24:35PM
विक्रम संवत	2030
शक संवत	1895
संवत्सर	प्रमादी
संवत्सर अधिपति	इन्द्राग्नि

घात चक्र

राशि (सूर्य)	कुम्भ
मास	फाल्गुन
तिथि	5,10,15
वार	शुक्रवार
नक्षत्र	अश्लेषा
प्रहर	4
लग्न	सिहं
सूर्य सिद्धान्त योग	वज्र
करण	चतुश्पद

अवकहड़ा चक्र

लग्न	कन्या
लग्नाधिपति	बुध
राशि (चन्द्रमा)	कन्या
राशिपति	बुध
नक्षत्र	हस्ता
नक्षत्रपति	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण	2
ऋतु	बसन्त
मास	चैत्र
पक्ष	कृष्ण
तिथि	नवमी
तिथि श्रेणी	रिक्ता
तिथि पति	सूर्य
करण	गरिज
करण श्रेणी	चर
करणपति	वासुदेव
गण	देव
योनि	हस्त (स्त्री)
वर्ण	वैश्य
सूर्य सिद्धान्त योग	सौभाग्य
रज्जु	कंठ
वश्य	द्विपद
तत्व	अग्नि
विहग	वायस
तत्वाधिपति	मंगल
नाड़ी	आदि
नाड़ी पद	मध्य
वेध	शतभिषा
आद्याक्षर	Shaa
पाया	स्वर्ण

ग्रह स्थिती

लग्न कुण्डली

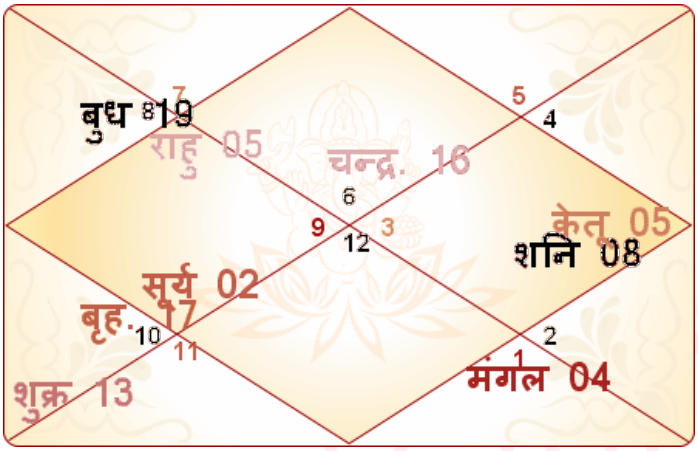

नवांमश कुण्डली

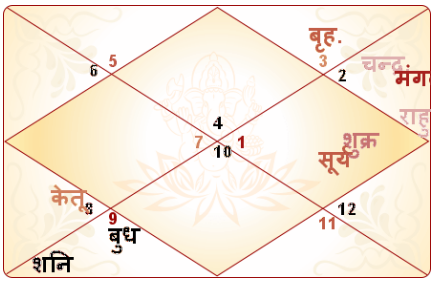

चन्द्र कुण्डली

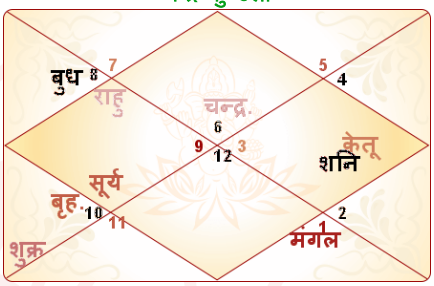

ग्रह स्थिती

ग्रह	राशि	अंश	गति	रा. पति	नक्षत्र	च.	न	न. पति	नवांश	नव. पति	विशेष
लग्न	कन्या	21:41:42	...	बुध	हस्ता	4	13	चन्द्रमा	कक्र	चन्द्रमा	
सूर्य	धनु	02:15:49	01:01:04	बृहस्पति	मूला	1	19	केतु	मेष	मंगल	मित्र राशि
चन्द्रमा	कन्या	16:00:57	13:01:33	बुध	हस्ता	2	13	चन्द्रमा	वृष	शुक्र	स्व नक्षत्र
मंगल	मेष	04:42:17	00:14:54	मंगल	अश्विनी	2	1	केतु	वृष	शुक्र	स्व राशि
बुध (ग्र.)	वृश्चिक	19:51:24	01:31:14	मंगल	ज्येष्ठा	1	18	बुध	धनु	बृहस्पति	स्व नक्षत्र
बृहस्पति	मकर	17:56:39	00:12:02	शनि	श्रवण	3	22	चन्द्रमा	मिथुन	बुध	नीच राशि
शुक्र	मकर	13:00:16	00:32:45	शनि	श्रवण	1	22	चन्द्रमा	मेष	मंगल	मित्र राशि
शनि (व.)	मिथुन	08:12:33	00:04:55	बुध	अरिद्रा	1	6	राहु	धनु	बृहस्पति	मित्र राशि
राहु (व.)	धनु	05:10:35	00:03:10	बृहस्पति	मूला	2	19	केतु	वृष	शुक्र	सम राशि
केतु (व.)	मिथुन	05:10:35	00:03:10	बुध	मृगशिर	4	5	मंगल	वृश्चिक	मंगल	सम राशि
हर्षल	तुला	03:20:59	00:02:22	शुक्र	चित्रा	4	14	मंगल	वृश्चिक	मंगल	...
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20:40	00:02:10	मंगल	अनुराधा	4	17	शनि	वृश्चिक	मंगल	...
प्लूटो	कन्या	13:11:14	00:00:46	बुध	हस्ता	1	13	चन्द्रमा	मेष	मंगल	...

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	..	71	354	193	58	116	111	257	73	253	12	53	351
सूर्य	289	..	284	122	348	46	41	186	3	183	301	342	281
चन्द्रमा	6	76	..	199	64	122	117	262	79	259	17	58	357
मंगल	167	238	161	..	225	283	278	64	240	60	179	220	158
बुध	302	12	296	135	..	58	53	198	15	195	313	354	293
बृहस्पति	244	314	238	77	302	..	355	140	317	137	255	296	235
शुक्र	249	319	243	82	307	5	..	145	322	142	260	301	240
शनि	103	174	98	296	162	220	215	..	177	357	115	156	95
राहु	287	357	281	120	345	43	38	183	..	180	298	339	278
केतु	107	177	101	300	165	223	218	3	180	..	118	159	98
हर्षल	348	59	343	181	47	105	100	245	62	242	..	41	340
नेपच्यून	307	18	302	140	6	64	59	204	21	201	319	..	299
प्लूटो	9	79	3	202	67	125	120	265	82	262	20	61	..

भाव स्फूट और कुण्डली

लग्न कुण्डली

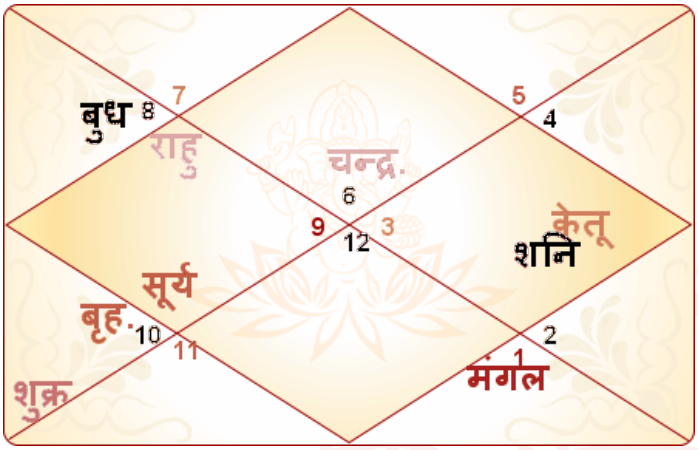

भाव कुण्डली

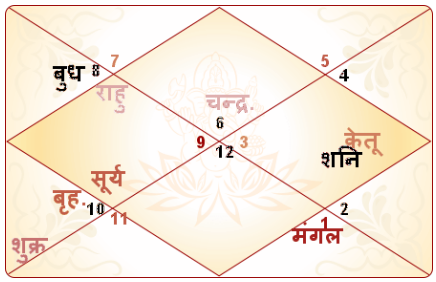

भाव चलित कुण्डली

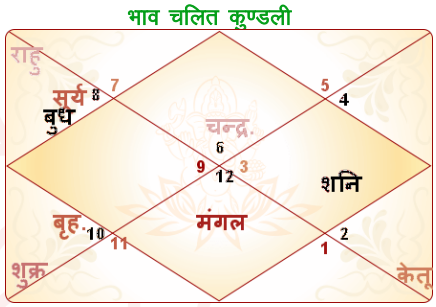

भाव सख्या	भाव मध्य				भाव विस्तार (आरम्भ———अन्त)		
1	कन्या	21:41:42	कन्या	06:48:56	तुला	06:48:56
2	तुला	21:56:10	तुला	06:48:56	वृश्चिक	07:03:24
3	वृश्चिक	22:10:38	वृश्चिक	07:03:24	धनु	07:17:53
4	धनु	22:25:07	धनु	07:17:53	मकर	07:17:53
5	मकर	22:10:38	मकर	07:17:53	कुम्भ	07:03:24
6	कुम्भ	21:56:10	कुम्भ	07:03:24	मीन	06:48:56
7	मीन	21:41:42	मीन	06:48:56	मेष	06:48:56
8	मेष	21:56:10	मेष	06:48:56	वृष	07:03:24
9	वृष	22:10:38	वृष	07:03:24	मिथुन	07:17:53
10	मिथुन	22:25:07	मिथुन	07:17:53	कर्क	07:17:53
11	कर्क	22:10:38	कर्क	07:17:53	सिहं	07:03:24
12	सिहं	21:56:10	सिहं	07:03:24	कन्या	06:48:56

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

भाव	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
I	71	354	193	58	116	111	257	73	253	12	53	351
II	40	324	163	28	86	81	226	43	223	341	22	321
III	10	294	133	358	56	51	196	13	193	311	352	291
IV	340	264	102	327	26	21	166	343	163	281	322	261
V	310	234	73	298	356	351	136	313	133	251	292	231
VI	280	204	43	268	326	321	106	283	103	221	262	201
VII	251	174	13	238	296	291	77	253	73	192	233	171
VIII	220	144	343	208	266	261	46	223	43	161	202	141
IX	190	114	313	178	236	231	16	193	13	131	172	111
X	160	84	282	147	206	201	346	163	343	101	142	81
XI	130	54	253	118	176	171	316	133	313	71	112	51
XII	100	24	223	88	146	141	286	103	283	41	82	21

षोडश वर्ग कुण्डली

होरा कुण्डली

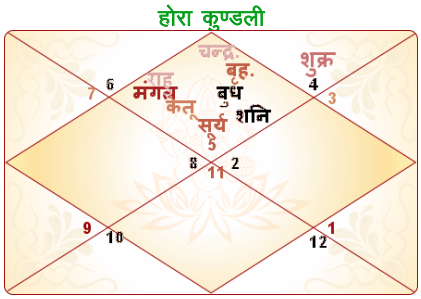

धन दौलत के लिए

द्रेष्काण कुण्डली

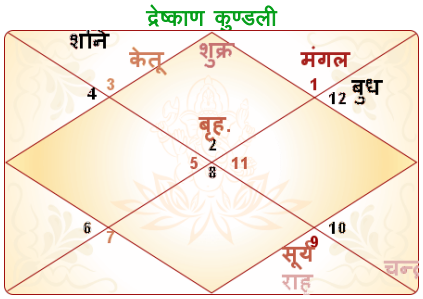

सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य

चतुर्थांश कुण्डली

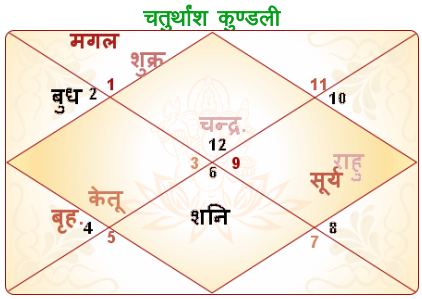

भाग्य और रिहायशी मकान

सप्तमांश कुण्डली

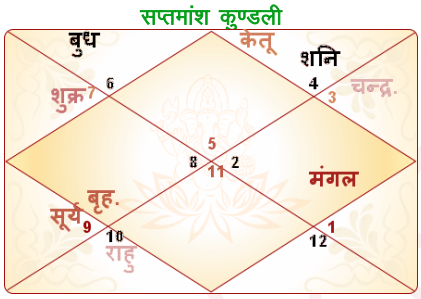

संतान और उनकी संतान

नवांश कुण्डली

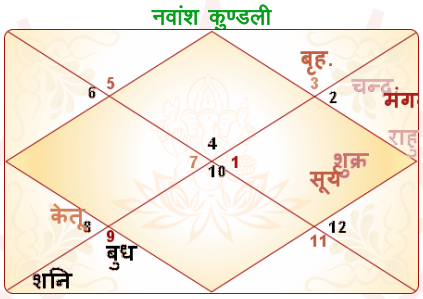

जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य

दसमांश कुण्डली

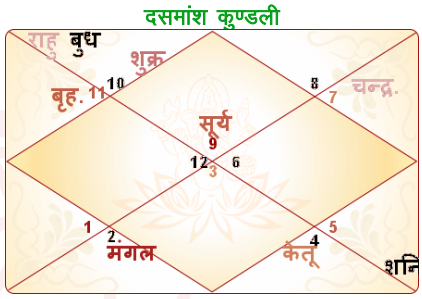

कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता

द्वादशांश कुण्डली

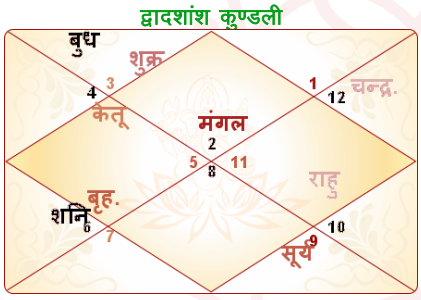

माता पिता का जीवन और उनका स्वास्थ्य

षोडशांश कुण्डली

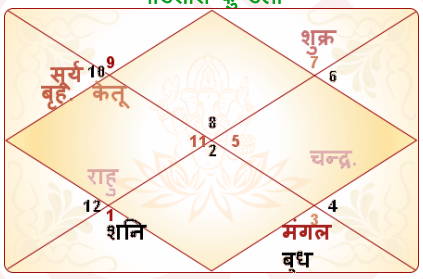

वाहन से संबंधित बातें

विशांश कुण्डली

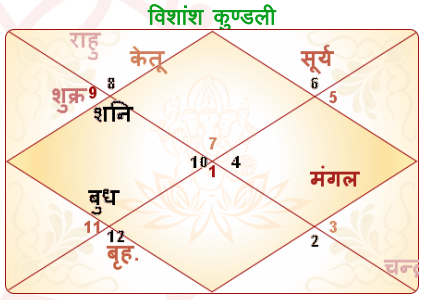

आध्यात्मिक रूझान

चर्तुविशांश कुण्डली

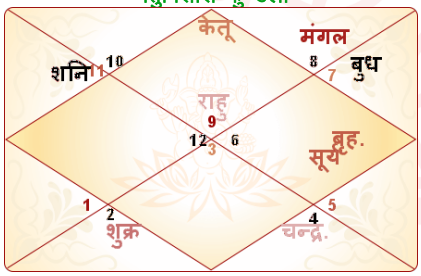

शिक्षा, ज्ञान और समझ

सप्तविशांश कुण्डली

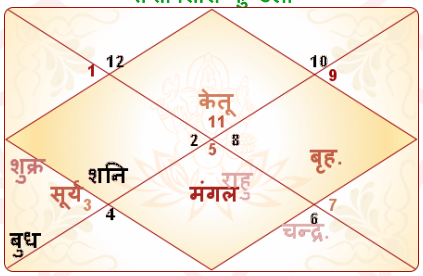

ताकत और दुर्बलता

त्रिशांश कुण्डली

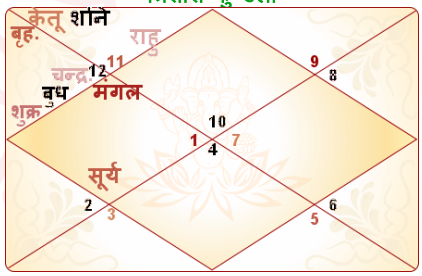

दरिद्रता, कठिनाईयाँ और दुर्गति

खवेदांश कुण्डली

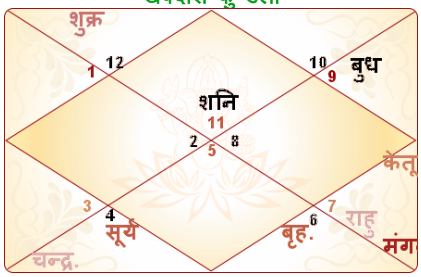

शुभ अशुभ घटनाँए

अक्षवेदांश कुण्डली

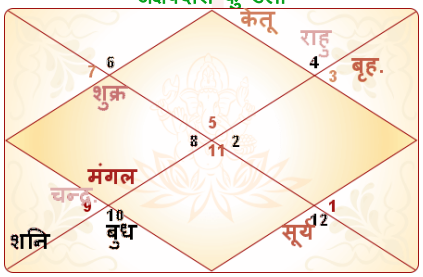

सभी मुद्दों के लिए

षष्टांश कुण्डली

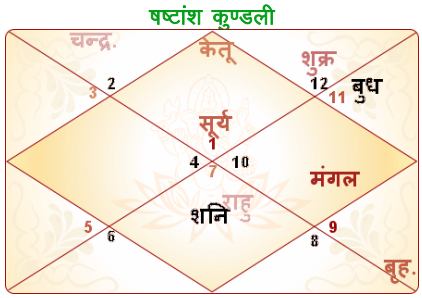

सभी मुद्दों के लिए

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	----	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्रमा	मित्र	----	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	----	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	----	सम	मित्र	सम	सम	सम
बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	----	शत्रु	सम	मित्र	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	----	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	----	मित्र	मित्र
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	----	सम
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	----

तत्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	----	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चन्द्रमा	मित्र	----	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
मंगल	शत्रु	शत्रु	----	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	मित्र	शत्रु	----	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बृहस्पति	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	----	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	----	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	----	शत्रु	शत्रु
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	----	शत्रु
केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	----

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	....	अधिमित्र	सम	मित्र	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
चन्द्रमा	अधिमित्र	....	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम
मंगल	सम	सम	....	अधिशत्रु	अधिमित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अधिमित्र
बुध	अधिमित्र	सम	शत्रु	....	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बृहस्पति	अधिमित्र	सम	अधिमित्र	सम	....	अधिशत्रु	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	....	सम	अधिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	....	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	....	शत्रु
केतु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	....

अष्टकवर्ग सारिणि

शनि भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
बृहस्पति	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	6
सूय	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
चन्द्रमा	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
योग	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39

बृहस्पति भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
बृहस्पति	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	1	8
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूय	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चन्द्रमा	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	1	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
योग	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	5	56

मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	7
बृहस्पति	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूय	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	5
शुक्र	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	4
चन्द्रमा	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
योग	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39

सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बृहस्पति	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूय	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
बुध	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	7
चन्द्रमा	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
योग	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48

शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	7
बृहस्पति	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	0	5
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूय	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	3
शुक्र	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
बुध	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	5
चन्द्रमा	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
योग	5	4	1	4	5	7	6	5	3	5	3	4	52

बुध भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बृहस्पति	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूय	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	5
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
बुध	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	8
चन्द्रमा	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
योग	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54

चन्द्रमा भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
बृहस्पति	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	0	7
मंगल	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	0	7
सूय	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	7

लग्न भिन्नाष्टक वग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
बृहस्पति	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	9
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	5
सूय	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	7

बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
चन्द्रमा	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	1	6
लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
योग	3	4	5	5	4	5	4	6	2	3	5	3	49

बुध	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
चन्द्रमा	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
योग	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49

राहु भिन्नाष्टक वर्ग

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	**VIII**	**IX**	**X**	**XI**	**XII**	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**	**VI**	**VII**	
शनि	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	1	6
बृहस्पति	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	5
सूय	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	7
शुक्र	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
बुध	0	1	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0	5
चन्द्रमा	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	5
योग	4	5	6	2	4	2	3	3	5	4	2	4	44

कक्ष बल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	**VIII**	**IX**	**X**	**XI**	**XII**	**I**	**II**	**III**	**IV**	**V**	**VI**	**VII**	
शनि	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	5	48
बृहस्पति	3	4	5	3	4	3	5	8	4	3	2	1	45
मंगल	5	5	4	4	3	4	4	4	4	7	8	2	54
सूय	2	4	4	5	3	6	8	3	3	3	4	4	49
शुक्र	4	5	4	2	4	5	3	6	3	3	4	4	47
बुध	7	1	3	5	6	8	3	4	2	5	3	6	53
चन्द्रमा	2	2	4	8	2	2	3	6	2	2	6	2	41
लग्न	2	2	7	8	1	5	3	6	5	2	7	1	49
योग	32	24	35	37	28	38	33	41	26	29	38	25	386

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कक्र	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	
शनि	2	1	6	4	3	4	3	5	4	2	3	2	39
बृहस्पति	3	5	3	6	4	4	7	5	3	5	6	5	56
मंगल	4	2	4	3	1	4	3	5	3	3	5	2	39
सूर्य	3	2	6	7	3	4	3	4	5	4	4	3	48
शुक	5	4	1	4	5	7	6	5	3	5	3	4	52
बुध	7	3	4	5	4	4	5	5	5	4	5	3	54
चन्द्रमा	3	4	5	5	4	5	4	6	2	3	5	3	49
योग	27	21	29	34	24	32	31	35	25	26	31	22	337
लग्न	5	3	6	3	4	6	2	6	1	3	7	3	49
राहु	4	5	6	2	4	2	3	3	5	4	2	4	44

तत्व चक्र

स व बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	76	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	79	दक्षिण
वाय त्रिकोन	84.25	91	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	91	उत्तर

विशेष – सबसे ज्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू द प और उ) अगर दोनों भागों की संख्या बराबर या आसपास हैं तो शुभ दिशा (उ पू दपू उ प और पद) होगी।

भुवन चक

स व बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव राशि	112.33	108	मेहनत और लगन
पनफरा भाव राशि	112.33	118	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम भाव राशि त्रिकोन	112.33	111	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स व बिन्दु	पूर्णांक	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	112.33	79	बन्धु बान्धवों से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोण	112.33	91	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	112.33	91	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	112.33	76	दुर्भाग्य और हानि

सुदर्शन चक्र

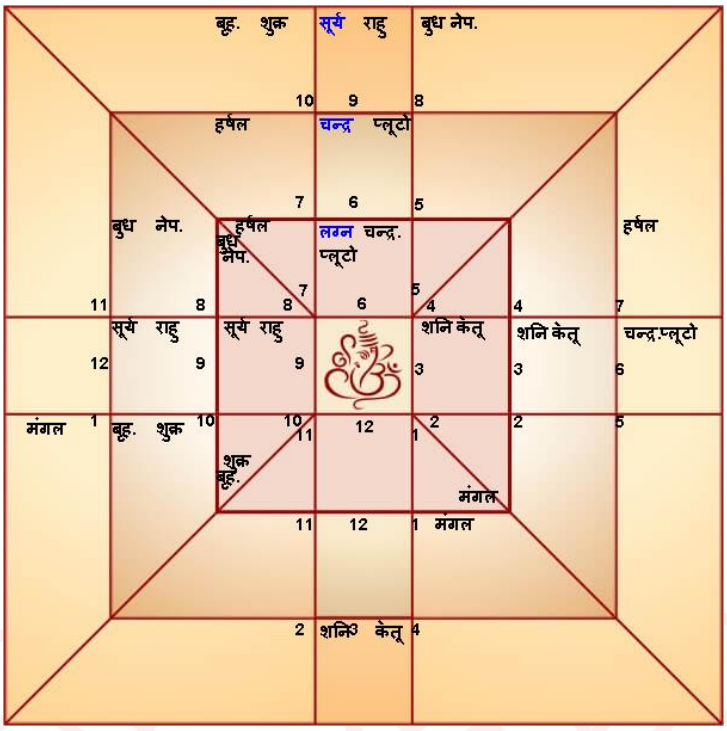

सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों को देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़गें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।

जैमिनी लग्न कुण्डली

नवांश कुण्डली

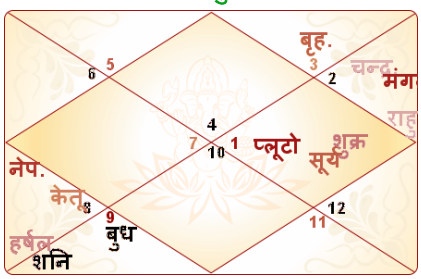

नवांश कुण्डली (कृष्ण मिश्र)

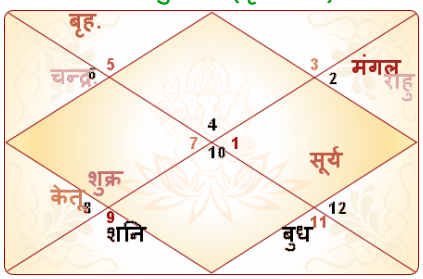

काराकांश कुण्डली (राशि)

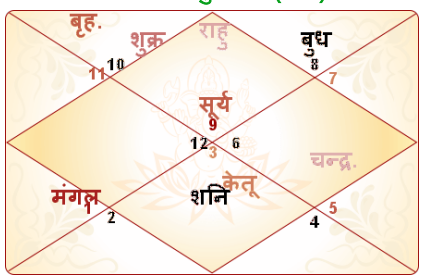

द्रेष्काण लग्न (प्र.त्रा.) कुण्डली

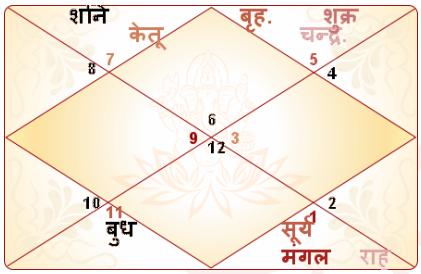

द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ) कुण्डली

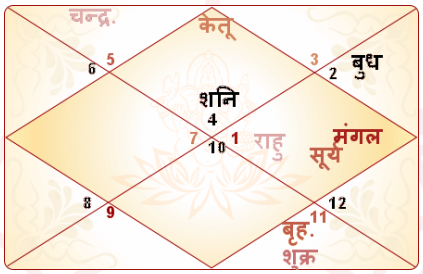

आरूढ़ लग्न कुण्डली

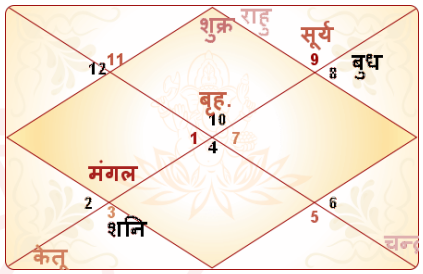

उपपद लग्न कुण्डली

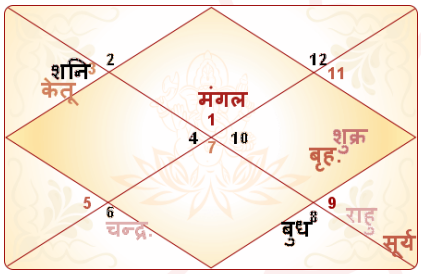

होरा लग्न (वृद्धि करिका) कुण्डली

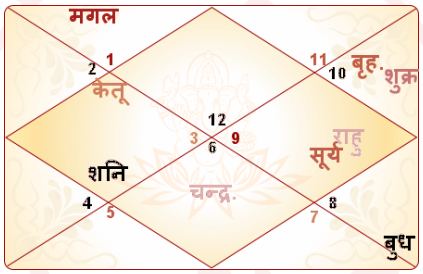

होरा लग्न (सवाया) कुण्डली

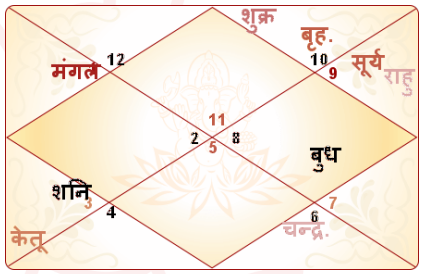

आयुर लग्न कुण्डली

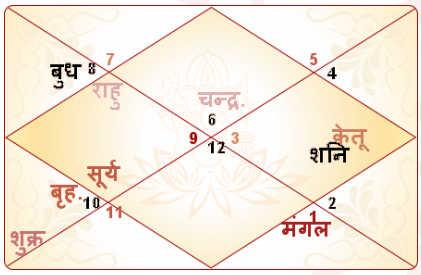

पका लग्न कुण्डली

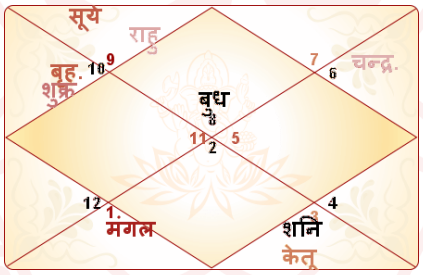

इन्दु लग्न कुण्डली

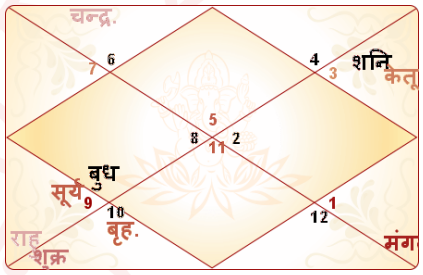

दिब्य लग्न कुण्डली

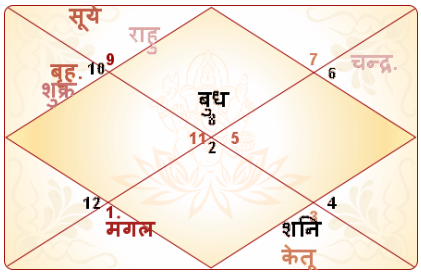

तारा लग्न कुण्डली

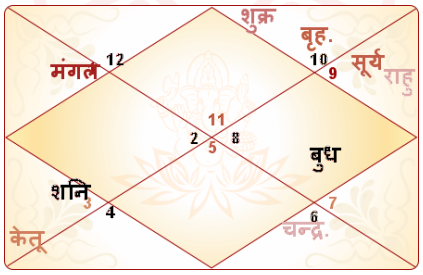

त्रिप्रवन लग्न कुण्डली

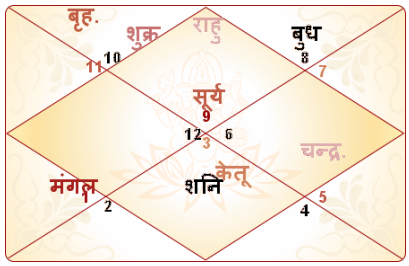

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (अयनाश : 023:29:36) चन्द्रमा 5.0 व.5.0 म.26 द.

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	चन्द्रमा	5.0 y.5.0 m.26 d.	18:12:1973
2	मंगल	7.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1979
3	राहु	18.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:1986
4	बृहस्पति	16.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2004
5	शनि	19.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2020
6	बुध	17.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2039
7	केतु	7.0 y.0.0 m.0 d.	13:06:2056
8	शुक्र	20.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2063
9	सूर्य	6.0 y.0.0 m.0 d.	14:06:2083

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	18:12:1973
बुध	14:04:1975
केतु	13:09:1976
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	13:12:1978

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	14:06:1979
राहु	10:11:1979
बृहस्पति	28:11:1980
शनि	04:11:1981
बुध	13:12:1982
केतु	10:12:1983
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	13:11:1985

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	14:06:1986
बृहस्पति	24:02:1989
शनि	20:07:1991
बुध	26:05:1994
केतु	13:12:1996
शुक्र	31:12:1997
सूर्य	31:12:2000
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	26:05:2003

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	13:06:2004
शनि	01:08:2006
बुध	12:02:2009
केतु	20:05:2011
शुक्र	25:04:2012
सूर्य	25:12:2014
चन्द्रमा	13:10:2015
मंगल	12:02:2017
राहु	19:01:2018

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	13:06:2020
बुध	17:06:2023
केतु	24:02:2026
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	16:12:2032
राहु	25:01:2034
बृहस्पति	01:12:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	14:06:2039
केतु	10:11:2041
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	13:12:2047
राहु	10:12:2048
बृहस्पति	29:06:2051
शनि	04:10:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	13:06:2056
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	16:12:2058
राहु	14:05:2059
बृहस्पति	01:06:2060
शनि	08:05:2061
बुध	17:06:2062

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	14:06:2063
सूर्य	13:10:2066
चन्द्रमा	13:10:2067
मंगल	14:06:2069
राहु	14:08:2070
बृहस्पति	14:08:2073
शनि	13:04:2076
बुध	14:06:2079
केतु	14:04:2082

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	01:04:2084
राहु	07:08:2084
बृहस्पति	02:07:2085
शनि	20:04:2086
बुध	02:04:2087
केतु	06:02:2088
शुक्र	13:06:2088

चन्द्रमा ग्रह दशा

(Start Date: 18:12:1973, End Date: 13:06:1979)

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	....
मंगल	....
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	....
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	....
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	....
शनि	....
बुध	....
केतु	....
शुक्र	....
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
राहु	....

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	....
बुध	18:12:1973
केतु	05:03:1974
शुक्र	08:04:1974
सूर्य	13:07:1974
चन्द्रमा	11:08:1974
मंगल	28:09:1974
राहु	01:11:1974
बृहस्पति	27:01:1975

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	14:04:1975
केतु	26:06:1975
शुक्र	26:07:1975
सूर्य	20:10:1975
चन्द्रमा	15:11:1975
मंगल	28:12:1975
राहु	28:01:1976
बृहस्पति	14:04:1976
शनि	23:06:1976

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:09:1976
शुक्र	25:09:1976
सूर्य	31:10:1976
चन्द्रमा	10:11:1976
मंगल	28:11:1976
राहु	11:12:1976
बृहस्पति	12:01:1977
शनि	09:02:1977
बुध	15:03:1977

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	14:04:1977
सूर्य	24:07:1977
चन्द्रमा	24:08:1977
मंगल	13:10:1977
राहु	18:11:1977
बृहस्पति	17:02:1978
शनि	09:05:1978
बुध	14:08:1978
केतु	08:11:1978

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	13:12:1978
चन्द्रमा	22:12:1978
मंगल	07:01:1979
राहु	17:01:1979
बृहस्पति	14:02:1979
शनि	10:03:1979
बुध	08:04:1979
केतु	04:05:1979
शुक्र	14:05:1979

मंगल ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:1979, End Date: 13:06:1986)

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	14:06:1979
राहु	22:06:1979
बृहस्पति	15:07:1979
शनि	04:08:1979
बुध	27:08:1979
केतु	17:09:1979
शुक्र	26:09:1979
सूर्य	21:10:1979
चन्द्रमा	28:10:1979

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	10:11:1979
बृहस्पति	06:01:1980
शनि	26:02:1980
बुध	27:04:1980
केतु	21:06:1980
शुक्र	13:07:1980
सूर्य	15:09:1980
चन्द्रमा	04:10:1980
मंगल	05:11:1980

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	28:11:1980
शनि	12:01:1981
बुध	07:03:1981
केतु	25:04:1981
शुक्र	14:05:1981
सूर्य	10:07:1981
चन्द्रमा	27:07:1981
मंगल	25:08:1981
राहु	14:09:1981

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	04:11:1981
बुध	07:01:1982
केतु	05:03:1982
शुक्र	29:03:1982
सूर्य	04:06:1982
चन्द्रमा	24:06:1982
मंगल	28:07:1982
राहु	21:08:1982
बृहस्पति	20:10:1982

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	13:12:1982
केतु	02:02:1983
शुक्र	24:02:1983
सूर्य	25:04:1983
चन्द्रमा	13:05:1983
मंगल	12:06:1983
राहु	03:07:1983
बृहस्पति	27:08:1983
शनि	14:10:1983

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	10:12:1983
शुक्र	19:12:1983
सूर्य	13:01:1984
चन्द्रमा	20:01:1984
मंगल	02:02:1984
राहु	10:02:1984
बृहस्पति	04:03:1984
शनि	24:03:1984
बुध	16:04:1984

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	08:05:1984
सूर्य	18:07:1984
चन्द्रमा	08:08:1984
मंगल	13:09:1984
राहु	08:10:1984
बृहस्पति	11:12:1984
शनि	05:02:1985
बुध	14:04:1985
केतु	13:06:1985

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	08:07:1985
चन्द्रमा	14:07:1985
मंगल	25:07:1985
राहु	01:08:1985
बृहस्पति	21:08:1985
शनि	07:09:1985
बुध	27:09:1985
केतु	15:10:1985
शुक्र	22:10:1985

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	13:11:1985
मंगल	01:12:1985
राहु	13:12:1985
बृहस्पति	14:01:1986
शनि	11:02:1986
बुध	17:03:1986
केतु	16:04:1986
शुक्र	29:04:1986
सूर्य	03:06:1986

राहु ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:1986, End Date: 12:06:2004)

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	14:06:1986
बृहस्पति	09:11:1986
शनि	20:03:1987
बुध	23:08:1987
केतु	10:01:1988
शुक्र	07:03:1988
सूर्य	19:08:1988
चन्द्रमा	07:10:1988
मंगल	29:12:1988

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	24:02:1989
शनि	21:06:1989
बुध	07:11:1989
केतु	11:03:1990
शुक्र	01:05:1990
सूर्य	24:09:1990
चन्द्रमा	07:11:1990
मंगल	19:01:1991
राहु	11:03:1991

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:07:1991
बुध	01:01:1992
केतु	28:05:1992
शुक्र	28:07:1992
सूर्य	17:01:1993
चन्द्रमा	10:03:1993
मंगल	05:06:1993
राहु	05:08:1993
बृहस्पति	08:01:1994

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	26:05:1994
केतु	05:10:1994
शुक्र	29:11:1994
सूर्य	03:05:1995
चन्द्रमा	18:06:1995
मंगल	04:09:1995
राहु	28:10:1995
बृहस्पति	16:03:1996
शनि	18:07:1996

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:12:1996
शुक्र	05:01:1997
सूर्य	09:03:1997
चन्द्रमा	29:03:1997
मंगल	30:04:1997
राहु	22:05:1997
बृहस्पति	18:07:1997
शनि	07:09:1997
बुध	07:11:1997

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	31:12:1997
सूर्य	02:07:1998
चन्द्रमा	26:08:1998
मंगल	25:11:1998
राहु	28:01:1999
बृहस्पति	11:07:1999
शनि	04:12:1999
बुध	26:05:2000
केतु	28:10:2000

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	31:12:2000
चन्द्रमा	17:01:2001
मंगल	13:02:2001
राहु	04:03:2001
बृहस्पति	23:04:2001
शनि	05:06:2001
बुध	27:07:2001
केतु	12:09:2001
शुक्र	01:10:2001

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	25:11:2001
मंगल	10:01:2002
राहु	10:02:2002
बृहस्पति	04:05:2002
शनि	16:07:2002
बुध	10:10:2002
केतु	27:12:2002
शुक्र	28:01:2003
सूर्य	29:04:2003

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	26:05:2003
राहु	18:06:2003
बृहस्पति	14:08:2003
शनि	04:10:2003
बुध	04:12:2003
केतु	27:01:2004
शुक्र	19:02:2004
सूर्य	23:04:2004
चन्द्रमा	12:05:2004

शनि ग्रह दशा

(Start Date: 13:06:2020, End Date: 13:06:2039)

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	13:06:2020
बुध	04:12:2020
केतु	09:05:2021
शुक्र	12:07:2021
सूर्य	11:01:2022
चन्द्रमा	07:03:2022
मंगल	07:06:2022
राहु	10:08:2022
बृहस्पति	21:01:2023

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	17:06:2023
केतु	03:11:2023
शुक्र	30:12:2023
सूर्य	11:06:2024
चन्द्रमा	31:07:2024
मंगल	21:10:2024
राहु	17:12:2024
बृहस्पति	14:05:2025
शनि	22:09:2025

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	24:02:2026
शुक्र	20:03:2026
सूर्य	26:05:2026
चन्द्रमा	15:06:2026
मंगल	19:07:2026
राहु	12:08:2026
बृहस्पति	11:10:2026
शनि	04:12:2026
बुध	06:02:2027

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	05:04:2027
सूर्य	14:10:2027
चन्द्रमा	11:12:2027
मंगल	17:03:2028
राहु	23:05:2028
बृहस्पति	13:11:2028
शनि	16:04:2029
बुध	16:10:2029
केतु	29:03:2030

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	05:06:2030
चन्द्रमा	22:06:2030
मंगल	21:07:2030
राहु	10:08:2030
बृहस्पति	01:10:2030
शनि	16:11:2030
बुध	10:01:2031
केतु	28:02:2031
शुक्र	21:03:2031

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	17:05:2031
मंगल	04:07:2031
राहु	07:08:2031
बृहस्पति	02:11:2031
शनि	18:01:2032
बुध	19:04:2032
केतु	10:07:2032
शुक्र	13:08:2032
सूर्य	17:11:2032

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	16:12:2032
राहु	09:01:2033
बृहस्पति	10:03:2033
शनि	03:05:2033
बुध	06:07:2033
केतु	02:09:2033
शुक्र	25:09:2033
सूर्य	02:12:2033
चन्द्रमा	22:12:2033

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	25:01:2034
बृहस्पति	30:06:2034
शनि	15:11:2034
बुध	29:04:2035
केतु	24:09:2035
शुक्र	23:11:2035
सूर्य	15:05:2036
चन्द्रमा	06:07:2036
मंगल	01:10:2036

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	01:12:2036
शनि	03:04:2037
बुध	28:08:2037
केतु	06:01:2038
शुक्र	01:03:2038
सूर्य	02:08:2038
चन्द्रमा	17:09:2038
मंगल	03:12:2038
राहु	26:01:2039

बुध ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:2039, End Date: 12:06:2056)

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	14:06:2039
केतु	16:10:2039
शुक्र	06:12:2039
सूर्य	01:05:2040
चन्द्रमा	14:06:2040
मंगल	27:08:2040
राहु	17:10:2040
बृहस्पति	26:02:2041
शनि	24:06:2041

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	10:11:2041
शुक्र	01:12:2041
सूर्य	30:01:2042
चन्द्रमा	17:02:2042
मंगल	19:03:2042
राहु	10:04:2042
बृहस्पति	03:06:2042
शनि	21:07:2042
बुध	16:09:2042

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	07:11:2042
सूर्य	28:04:2043
चन्द्रमा	19:06:2043
मंगल	13:09:2043
राहु	12:11:2043
बृहस्पति	16:04:2044
शनि	01:09:2044
बुध	12:02:2045
केतु	09:07:2045

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	07:09:2045
चन्द्रमा	22:09:2045
मंगल	18:10:2045
राहु	05:11:2045
बृहस्पति	22:12:2045
शनि	01:02:2046
बुध	22:03:2046
केतु	05:05:2046
शुक्र	23:05:2046

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	14:07:2046
मंगल	26:08:2046
राहु	25:09:2046
बृहस्पति	12:12:2046
शनि	19:02:2047
बुध	12:05:2047
केतु	24:07:2047
शुक्र	23:08:2047
सूर्य	17:11:2047

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	13:12:2047
राहु	03:01:2048
बृहस्पति	27:02:2048
शनि	15:04:2048
बुध	12:06:2048
केतु	02:08:2048
शुक्र	23:08:2048
सूर्य	23:10:2048
चन्द्रमा	10:11:2048

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	10:12:2048
बृहस्पति	29:04:2049
शनि	31:08:2049
बुध	25:01:2050
केतु	06:06:2050
शुक्र	30:07:2050
सूर्य	01:01:2051
चन्द्रमा	17:02:2051
मंगल	06:05:2051

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	29:06:2051
शनि	17:10:2051
बुध	25:02:2052
केतु	22:06:2052
शुक्र	09:08:2052
सूर्य	26:12:2052
चन्द्रमा	05:02:2053
मंगल	15:04:2053
राहु	02:06:2053

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	04:10:2053
बुध	09:03:2054
केतु	26:07:2054
शुक्र	21:09:2054
सूर्य	04:03:2055
चन्द्रमा	22:04:2055
मंगल	13:07:2055
राहु	08:09:2055
बृहस्पति	03:02:2056

केतु ग्रह दशा

(Start Date: 13:06:2056, End Date: 13:06:2063)

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	13:06:2056
शुक्र	22:06:2056
सूर्य	17:07:2056
चन्द्रमा	24:07:2056
मंगल	06:08:2056
राहु	14:08:2056
बृहस्पति	06:09:2056
शनि	26:09:2056
बुध	19:10:2056

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	10:11:2056
सूर्य	20:01:2057
चन्द्रमा	10:02:2057
मंगल	17:03:2057
राहु	11:04:2057
बृहस्पति	14:06:2057
शनि	10:08:2057
बुध	16:10:2057
केतु	16:12:2057

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	10:01:2058
चन्द्रमा	16:01:2058
मंगल	27:01:2058
राहु	03:02:2058
बृहस्पति	22:02:2058
शनि	11:03:2058
बुध	31:03:2058
केतु	19:04:2058
शुक्र	26:04:2058

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	17:05:2058
मंगल	04:06:2058
राहु	16:06:2058
बृहस्पति	18:07:2058
शनि	16:08:2058
बुध	19:09:2058
केतु	19:10:2058
शुक्र	31:10:2058
सूर्य	06:12:2058

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	16:12:2058
राहु	25:12:2058
बृहस्पति	16:01:2059
शनि	05:02:2059
बुध	01:03:2059
केतु	22:03:2059
शुक्र	31:03:2059
सूर्य	24:04:2059
चन्द्रमा	02:05:2059

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	14:05:2059
बृहस्पति	11:07:2059
शनि	31:08:2059
बुध	31:10:2059
केतु	24:12:2059
शुक्र	15:01:2060
सूर्य	19:03:2060
चन्द्रमा	07:04:2060
मंगल	10:05:2060

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	01:06:2060
शनि	16:07:2060
बुध	09:09:2060
केतु	27:10:2060
शुक्र	16:11:2060
सूर्य	12:01:2061
चन्द्रमा	29:01:2061
मंगल	26:02:2061
राहु	18:03:2061

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	08:05:2061
बुध	11:07:2061
केतु	07:09:2061
शुक्र	30:09:2061
सूर्य	07:12:2061
चन्द्रमा	27:12:2061
मंगल	30:01:2062
राहु	22:02:2062
बृहस्पति	24:04:2062

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	17:06:2062
केतु	07:08:2062
शुक्र	28:08:2062
सूर्य	27:10:2062
चन्द्रमा	15:11:2062
मंगल	15:12:2062
राहु	05:01:2063
बृहस्पति	28:02:2063
शनि	17:04:2063

सूर्य ग्रह दशा

(Start Date: 14:06:2083, End Date: 13:06:2089)

सूर्य अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
सूर्य	14:06:2083
चन्द्रमा	19:06:2083
मंगल	28:06:2083
राहु	05:07:2083
बृहस्पति	21:07:2083
शनि	05:08:2083
बुध	22:08:2083
केतु	07:09:2083
शुक्र	13:09:2083

चन्द्रमा अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
चन्द्रमा	01:10:2083
मंगल	16:10:2083
राहु	27:10:2083
बृहस्पति	23:11:2083
शनि	18:12:2083
बुध	16:01:2084
केतु	11:02:2084
शुक्र	21:02:2084
सूर्य	23:03:2084

मंगल अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
मंगल	01:04:2084
राहु	08:04:2084
बृहस्पति	28:04:2084
शनि	15:05:2084
बुध	04:06:2084
केतु	22:06:2084
शुक्र	30:06:2084
सूर्य	21:07:2084
चन्द्रमा	27:07:2084

राहु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
राहु	07:08:2084
बृहस्पति	25:09:2084
शनि	08:11:2084
बुध	31:12:2084
केतु	15:02:2085
शुक्र	06:03:2085
सूर्य	30:04:2085
चन्द्रमा	16:05:2085
मंगल	13:06:2085

बृहस्पति अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बृहस्पति	02:07:2085
शनि	10:08:2085
बुध	25:09:2085
केतु	05:11:2085
शुक्र	22:11:2085
सूर्य	10:01:2086
चन्द्रमा	25:01:2086
मंगल	18:02:2086
राहु	07:03:2086

शनि अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शनि	20:04:2086
बुध	14:06:2086
केतु	02:08:2086
शुक्र	22:08:2086
सूर्य	19:10:2086
चन्द्रमा	05:11:2086
मंगल	04:12:2086
राहु	24:12:2086
बृहस्पति	14:02:2087

बुध अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
बुध	02:04:2087
केतु	16:05:2087
शुक्र	03:06:2087
सूर्य	24:07:2087
चन्द्रमा	09:08:2087
मंगल	04:09:2087
राहु	22:09:2087
बृहस्पति	07:11:2087
शनि	19:12:2087

केतु अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
केतु	06:02:2088
शुक्र	14:02:2088
सूर्य	06:03:2088
चन्द्रमा	12:03:2088
मंगल	23:03:2088
राहु	30:03:2088
बृहस्पति	19:04:2088
शनि	06:05:2088
बुध	26:05:2088

शुक्र अन्तर्दशा

पत्यंतरदशा	से
शुक्र	13:06:2088
सूर्य	13:08:2088
चन्द्रमा	31:08:2088
मंगल	01:10:2088
राहु	22:10:2088
बृहस्पति	16:12:2088
शनि	03:02:2089
बुध	02:04:2089
केतु	23:05:2089

अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का अरिद्रादी सिद्धान्त प्रभावी हो रहा है।

ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से	समय
मंगल(हस्ता)	1.0 y.1.0 m.6 d.	18:12:1973	170:43:15
मंगल(चित्रा)	2.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:1975	009:24:35
मंगल(स्वाति)	2.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:1977	249:52:52
मंगल(विशाखा)	2.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:1979	292:38:57
बुध(अनुराधा)	5.0 y.8.0 m.1 d.	22:01:1981	298:03:58
बुध(ज्येष्ठा)	5.0 y.8.0 m.1 d.	23:09:1986	099:42:48
बुध(मूला)	5.0 y.8.0 m.1 d.	23:05:1992	295:01:59
शनि(पूर्वाषाढ़)	2.0 y.6.0 m.0 d.	22:01:1998	351:12:50
शनि(उत्तराषाढ़)	2.0 y.6.0 m.0 d.	23:07:2000	310:28:23
शनि(अभिजीत)	2.0 y.6.0 m.0 d.	22:01:2003	310:28:23
शनि(श्रवण)	2.0 y.6.0 m.0 d.	24:07:2005	234:13:31
बृहस्पति(धनिष्ठा)	6.0 y.4.0 m.0 d.	22:01:2008	292:38:57
बृहस्पति(शतभिषा)	6.0 y.4.0 m.0 d.	24:05:2014	173:07:14
बृहस्पति(पूर्वाभाद)	6.0 y.4.0 m.0 d.	22:09:2020	215:53:18
राहु(उत्तरभाद्र)	3.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2027	313:23:08
राहु(रेवाति)	3.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2030	115:01:59
राहु(अश्विनी)	3.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2033	310:21:10
राहु(भरणी)	3.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2036	168:10:51
शुक(कृतिका)	7.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2039	165:16:05
शुक(रोहिणी)	7.0 y.0.0 m.1 d.	22:01:2046	089:01:14
शुक(मृगशिरा)	7.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2053	287:42:34
सूर्य(अरिद्रा)	1.0 y.6.0 m.0 d.	22:01:2060	127:26:24
सूर्य(पुनर्वस)	1.0 y.6.0 m.0 d.	24:07:2061	170:12:28
सूर्य(पुष्य)	1.0 y.6.0 m.0 d.	22:01:2063	310:28:23
सूर्य(अश्लेषा)	1.0 y.6.0 m.0 d.	23:07:2064	112:07:13
चन्द्रमा(मघा)	5.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2066	231:11:32
चन्द्रमा(पुर्वफाल्गुनी)	5.0 y.0.0 m.0 d.	22:01:2071	089:01:14

योगिनी दशा

ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से–	सिद्धी बिन्दु
संकटा (शनि)(हस्ता)	4.0 y.4.0 m.21 d.	18:12:1973	051:11:32
मंगला(चन्द्रमा)(चित्रा)	1.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:1978	170:43:15
पिगंला (सूर्य)(स्वाति)	2.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:1979	127:26:24
धान्य (वृहस्पति)(विशाखा)	3.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:1981	215:53:18
भ्रमरि (मंगल)(अनुराधा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:1984	072:54:51
भद्रिका (बुध)(ज्येश्ठा)	5.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:1988	099:42:48
उल्का (शनि)(मूला)	6.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:1993	133:23:08
सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाशाढ़)	7.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:1999	206:00:33
संकटा (शनि)(उत्तराशाढ़)	8.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2006	127:26:24
मंगला(चन्द्रमा)(श्रवण)	1.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2014	332:01:55
पिगंला (सूर्य)(धनिश्ठा)	2.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2015	246:58:07
धान्य (वृहस्पति)(शतभिशा)	3.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2017	173:07:14
भ्रमरि (मंगल)(पूर्वाभाद्र)	4.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:2020	292:38:57
भद्रिका (बुध)(उत्तरभाद्र)	5.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:2024	298:03:58
उल्का (शनि)(रेवाति)	6.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2029	298:03:58
सिद्धा (शुक्र)(अश्विनी)	7.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2035	348:10:51
संकटा (शनि)(भरणी)	8.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2042	168:10:51
मंगला(चन्द्रमा)(कृतिका)	1.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2050	048:16:46
पिगंला (सूर्य)(रोहिणी)	2.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2051	048:16:46
धान्य (वृहस्पति)(मृगशिरा)	3.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2053	292:38:57
भ्रमरि (मंगल)(अरिद्रा)	4.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:2056	249:52:52
भद्रिका (बुध)(पुनर्वसु)	5.0 y.0.0 m.0 d.	08:05:2060	157:48:03
उल्का (शनि)(पु)	6.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2065	136:25:07
सिद्धा (शुक्र)(अश्लेाा)	7.0 y.0.0 m.0 d.	09:05:2071	152:51:41

जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	कन्या	10.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1973
2	तुला	3.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1983
3	वृश्चिक	5.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1986
4	धनु	1.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1991
5	मकर	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1992
6	कुम्भ	4.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1999
7	मीन	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2003
8	मेष	12.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2005
9	वृष	4.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2017
10	मिथुन	5.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2021
11	कर्क	10.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2026
12	सिहं	4.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2036

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
तुला	18:12:1973
वृश्चिक	18:10:1974
धनु	18:08:1975
मकर	18:06:1976
कुम्भ	18:04:1977
मीन	16:02:1978
मेष	18:12:1978
वृष	18:10:1979
मिथुन	18:08:1980
कर्क	18:06:1981
सिहं	18:04:1982
कन्या	16:02:1983

तुला दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1983
धनु	18:03:1984
मकर	18:06:1984
कुम्भ	17:09:1984
मीन	18:12:1984
मेष	19:03:1985
वृष	18:06:1985
मिथुन	17:09:1985
कर्क	18:12:1985
सिहं	19:03:1986
कन्या	18:06:1986
तुला	17:09:1986

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
तुला	18:12:1986
कन्या	19:05:1987
सिहं	18:10:1987
कर्क	18:03:1988
मिथुन	18:08:1988
वृष	17:01:1989
मेष	18:06:1989
मीन	17:11:1989
कुम्भ	18:04:1990
मकर	17:09:1990
धनु	16:02:1991
वृश्चिक	18:07:1991

धनु दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1991
तुला	17:01:1992
कन्या	17:02:1992
सिहं	18:03:1992
कर्क	18:04:1992
मिथुन	18:05:1992
वृष	18:06:1992
मेष	18:07:1992
मीन	18:08:1992
कुम्भ	17:09:1992
मकर	18:10:1992
धनु	17:11:1992

मकर दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:1992
वृश्चिक	18:07:1993
तुला	16:02:1994
कन्या	17:09:1994
सिहं	18:04:1995
कर्क	17:11:1995
मिथुन	18:06:1996
वृष	17:01:1997
मेष	18:08:1997
मीन	19:03:1998
कुम्भ	18:10:1998
मकर	19:05:1999

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मीन	18:12:1999
मेष	18:04:2000
वृष	18:08:2000
मिथुन	18:12:2000
कर्क	18:04:2001
सिहं	18:08:2001
कन्या	18:12:2001
तुला	18:04:2002
वृश्चिक	18:08:2002
धनु	18:12:2002
मकर	18:04:2003
कुम्भ	18:08:2003

मीन दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2003
वृष	17:02:2004
मिथुन	18:04:2004
कर्क	18:06:2004
सिहं	18:08:2004
कन्या	18:10:2004
तुला	18:12:2004
वृश्चिक	16:02:2005
धनु	18:04:2005
मकर	18:06:2005
कुम्भ	18:08:2005
मीन	18:10:2005

मेष दशा

भुक्ति	से
वृष	18:12:2005
मिथुन	18:12:2006
कर्क	18:12:2007
सिहं	18:12:2008
कन्या	18:12:2009
तुला	18:12:2010
वृश्चिक	18:12:2011
धनु	18:12:2012
मकर	18:12:2013
कुम्भ	18:12:2014
मीन	18:12:2015
मेष	18:12:2016

वृष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2017
मीन	18:04:2018
कुम्भ	18:08:2018
मकर	18:12:2018
धनु	18:04:2019
वृश्चिक	18:08:2019
तुला	18:12:2019
कन्या	18:04:2020
सिहं	18:08:2020
कर्क	18:12:2020
मिथुन	18:04:2021
वृष	18:08:2021

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृष	18:12:2021
मेष	19:05:2022
मीन	18:10:2022
कुम्भ	19:03:2023
मकर	18:08:2023
धनु	17:01:2024
वृश्चिक	18:06:2024
तुला	17:11:2024
कन्या	18:04:2025
सिहं	17:09:2025
कर्क	16:02:2026
मिथुन	18:07:2026

कर्क दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2026
वृष	18:10:2027
मेष	18:08:2028
मीन	18:06:2029
कुम्भ	18:04:2030
मकर	16:02:2031
धनु	18:12:2031
वृश्चिक	18:10:2032
तुला	18:08:2033
कन्या	18:06:2034
सिहं	18:04:2035
कर्क	17:02:2036

सिहं दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:12:2036
तुला	18:04:2037
वृश्चिक	18:08:2037
धनु	18:12:2037
मकर	18:04:2038
कुम्भ	18:08:2038
मीन	18:12:2038
मेष	18:04:2039
वृष	18:08:2039
मिथुन	18:12:2039
कर्क	18:04:2040
सिहं	18:08:2040

जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

वृष दशा (18:12:2017 से 18:12:2021)

मेष दशा

भुक्ति	से
वृष	18:12:2017
मिथुन	28:12:2017
कर्क	07:01:2018
सिहं	17:01:2018
कन्या	27:01:2018
तुला	06:02:2018
वृश्चिक	16:02:2018
धनु	27:02:2018
मकर	09:03:2018
कुम्भ	19:03:2018
मीन	29:03:2018
मेष	08:04:2018

मीन दशा

भुक्ति	से
मेष	18:04:2018
वृष	28:04:2018
मिथुन	09:05:2018
कर्क	19:05:2018
सिहं	29:05:2018
कन्या	08:06:2018
तुला	18:06:2018
वृश्चिक	28:06:2018
धनु	08:07:2018
मकर	18:07:2018
कुम्भ	29:07:2018
मीन	08:08:2018

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मीन	18:08:2018
मेष	28:08:2018
वृष	07:09:2018
मिथुन	17:09:2018
कर्क	27:09:2018
सिहं	08:10:2018
कन्या	18:10:2018
तुला	28:10:2018
वृश्चिक	07:11:2018
धनु	17:11:2018
मकर	27:11:2018
कुम्भ	07:12:2018

मकर दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:2018
वृश्चिक	28:12:2018
तुला	07:01:2019
कन्या	17:01:2019
सिहं	27:01:2019
कर्क	06:02:2019
मिथुन	16:02:2019
वृष	27:02:2019
मेष	09:03:2019
मीन	19:03:2019
कुम्भ	29:03:2019
मकर	08:04:2019

धनु दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:04:2019
तुला	28:04:2019
कन्या	09:05:2019
सिहं	19:05:2019
कर्क	29:05:2019
मिथुन	08:06:2019
वृष	18:06:2019
मेष	28:06:2019
मीन	08:07:2019
कुम्भ	18:07:2019
मकर	29:07:2019
धनु	08:08:2019

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
तुला	18:08:2019
कन्या	28:08:2019
सिहं	07:09:2019
कर्क	17:09:2019
मिथुन	27:09:2019
वृष	08:10:2019
मेष	18:10:2019
मीन	28:10:2019
कुम्भ	07:11:2019
मकर	17:11:2019
धनु	27:11:2019
वृश्चिक	07:12:2019

तुला दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:2019
धनु	28:12:2019
मकर	07:01:2020
कुम्भ	17:01:2020
मीन	27:01:2020
मेष	06:02:2020
वृष	17:02:2020
मिथुन	27:02:2020
कर्क	08:03:2020
सिहं	18:03:2020
कन्या	28:03:2020
तुला	07:04:2020

कन्या दशा

भुक्ति	से
तुला	18:04:2020
वृश्चिक	28:04:2020
धनु	08:05:2020
मकर	18:05:2020
कुम्भ	28:05:2020
मीन	07:06:2020
मेष	18:06:2020
वृष	28:06:2020
मिथुन	08:07:2020
कर्क	18:07:2020
सिहं	28:07:2020
कन्या	07:08:2020

सिहं दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:08:2020
तुला	28:08:2020
वृश्चिक	07:09:2020
धनु	17:09:2020
मकर	27:09:2020
कुम्भ	07:10:2020
मीन	18:10:2020
मेष	28:10:2020
वृष	07:11:2020
मिथुन	17:11:2020
कर्क	27:11:2020
सिहं	07:12:2020

कर्क दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2020
वृष	28:12:2020
मेष	07:01:2021
मीन	17:01:2021
कुम्भ	27:01:2021
मकर	06:02:2021
धनु	16:02:2021
वृश्चिक	27:02:2021
तुला	09:03:2021
कन्या	19:03:2021
सिहं	29:03:2021
कर्क	08:04:2021

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृष	18:04:2021
मेष	28:04:2021
मीन	09:05:2021
कुम्भ	19:05:2021
मकर	29:05:2021
धनु	08:06:2021
वृश्चिक	18:06:2021
तुला	28:06:2021
कन्या	08:07:2021
सिहं	18:07:2021
कर्क	29:07:2021
मिथुन	08:08:2021

वृष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:08:2021
मीन	28:08:2021
कुम्भ	07:09:2021
मकर	17:09:2021
धनु	27:09:2021
वृश्चिक	08:10:2021
तुला	18:10:2021
कन्या	28:10:2021
सिहं	07:11:2021
कर्क	17:11:2021
मिथुन	27:11:2021
वृष	07:12:2021

जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से
1	कन्या	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1973
2	वृष	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1975
3	मकर	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1983
4	सिहं	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1990
5	मेष	12.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:1998
6	धनु	1.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2010
7	कर्क	2.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2011
8	मीन	10.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2013
9	वृश्चिक	7.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2023
10	मिथुन	5.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2030
11	कुम्भ	8.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2035
12	तुला	3.0 y.0.0 m.0 d.	18:12:2043

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1973
तुला	18:12:1974
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

वृष दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:1975
धनु	18:12:1976
वृश्चिक	18:12:1977
तुला	18:12:1978
कन्या	18:12:1979
सिहं	18:12:1980
कर्क	18:12:1981
मिथुन	18:12:1982
..	--
..	--
..	--
..	--

मकर दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:1983
कर्क	18:12:1984
सिहं	18:12:1985
कन्या	18:12:1986
तुला	18:12:1987
वृश्चिक	18:12:1988
धनु	18:12:1989
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

सिहं दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:1990
मकर	18:12:1991
कुम्भ	18:12:1992
मीन	18:12:1993
मेष	18:12:1994
वृष	18:12:1995
मिथुन	18:12:1996
कर्क	18:12:1997
..	--
..	--
..	--
..	--

मेष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:1998
वृष	18:12:1999
मिथुन	18:12:2000
कर्क	18:12:2001
सिहं	18:12:2002
कन्या	18:12:2003
तुला	18:12:2004
वृश्चिक	18:12:2005
धनु	18:12:2006
मकर	18:12:2007
कुम्भ	18:12:2008
मीन	18:12:2009

धनु दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2010
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

कर्क दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:12:2011
सिहं	18:12:2012
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

मीन दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2013
धनु	18:12:2014
वृश्चिक	18:12:2015
तुला	18:12:2016
कन्या	18:12:2017
सिहं	18:12:2018
कर्क	18:12:2019
मिथुन	18:12:2020
वृष	18:12:2021
मेष	18:12:2022
..	--
..	--

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2023
वृष	18:12:2024
मिथुन	18:12:2025
कर्क	18:12:2026
सिहं	18:12:2027
कन्या	18:12:2028
तुला	18:12:2029
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:2030
तुला	18:12:2031
कन्या	18:12:2032
सिहं	18:12:2033
कर्क	18:12:2034
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2035
कर्क	18:12:2036
सिहं	18:12:2037
कन्या	18:12:2038
तुला	18:12:2039
वृश्चिक	18:12:2040
धनु	18:12:2041
मकर	18:12:2042
..	--
..	--
..	--
..	--

तुला दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2043
धनु	18:12:2044
वृश्चिक	18:12:2045
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--
..	--

जैमिनी चर दशा (नीलकान्त सिद्धान्त)

मीन दशा (18:12:2013 से 18:12:2023)

मकर दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2013
कर्क	17:01:2014
सिहं	16:02:2014
कन्या	19:03:2014
तुला	18:04:2014
वृश्चिक	19:05:2014
धनु	18:06:2014
मकर	18:07:2014
कुम्भ	18:08:2014
मीन	17:09:2014
मेष	18:10:2014
वृष	17:11:2014

धनु दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2014
धनु	17:01:2015
वृश्चिक	16:02:2015
तुला	19:03:2015
कन्या	18:04:2015
सिहं	19:05:2015
कर्क	18:06:2015
मिथुन	18:07:2015
वृष	18:08:2015
मेष	17:09:2015
मीन	18:10:2015
कुम्भ	17:11:2015

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2015
वृष	17:01:2016
मिथुन	17:02:2016
कर्क	18:03:2016
सिहं	18:04:2016
कन्या	18:05:2016
तुला	18:06:2016
वृश्चिक	18:07:2016
धनु	18:08:2016
मकर	17:09:2016
कुम्भ	18:10:2016
मीन	17:11:2016

तुला दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2016
धनु	17:01:2017
वृश्चिक	16:02:2017
तुला	19:03:2017
कन्या	18:04:2017
सिहं	19:05:2017
कर्क	18:06:2017
मिथुन	18:07:2017
वृष	18:08:2017
मेष	17:09:2017
मीन	18:10:2017
कुम्भ	17:11:2017

कन्या दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:2017
तुला	17:01:2018
कन्या	16:02:2018
सिहं	19:03:2018
कर्क	18:04:2018
मिथुन	19:05:2018
वृष	18:06:2018
मेष	18:07:2018
मीन	18:08:2018
कुम्भ	17:09:2018
मकर	18:10:2018
धनु	17:11:2018

सिहं दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:2018
मकर	17:01:2019
कुम्भ	16:02:2019
मीन	19:03:2019
मेष	18:04:2019
वृष	19:05:2019
मिथुन	18:06:2019
कर्क	18:07:2019
सिहं	18:08:2019
कन्या	17:09:2019
तुला	18:10:2019
वृश्चिक	17:11:2019

कर्क दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:12:2019
सिहं	17:01:2020
कर्क	17:02:2020
मिथुन	18:03:2020
वृष	18:04:2020
मेष	18:05:2020
मीन	18:06:2020
कुम्भ	18:07:2020
मकर	18:08:2020
धनु	17:09:2020
वृश्चिक	18:10:2020
तुला	17:11:2020

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:2020
तुला	17:01:2021
कन्या	16:02:2021
सिहं	19:03:2021
कर्क	18:04:2021
मिथुन	19:05:2021
वृष	18:06:2021
मेष	18:07:2021
मीन	18:08:2021
कुम्भ	17:09:2021
मकर	18:10:2021
धनु	17:11:2021

वृष दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2021
धनु	17:01:2022
वृश्चिक	16:02:2022
तुला	19:03:2022
कन्या	18:04:2022
सिहं	19:05:2022
कर्क	18:06:2022
मिथुन	18:07:2022
वृष	18:08:2022
मेष	17:09:2022
मीन	18:10:2022
कुम्भ	17:11:2022

मेष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2022
वृष	17:01:2023
मिथुन	16:02:2023
कर्क	19:03:2023
सिहं	18:04:2023
कन्या	19:05:2023
तुला	18:06:2023
वृश्चिक	18:07:2023
धनु	18:08:2023
मकर	17:09:2023
कुम्भ	18:10:2023
मीन	17:11:2023

दशा

भुक्ति	से
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---

दशा

भुक्ति	से
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---
...	---

जातक से संबंधित सामान्य भविष्यफल

सामान्य जानकारी :–

आपकी लग्न राशि कन्या है, जिसका स्वामी बुध है। यह एक भौतिक, साधारण, लचीली तथा वायु तत्व की राशि है। विशेषतः यह नीरस और मानवीय राशि है।

इस लग्न में जन्म होने के कारण आप मेधावी, अध्ययनपरायण एवं समझदार होंगे। आप विचारक, सिद्धान्तवादी तथा विधिवत कार्य करने वाले होंगे तथा ज्ञान की खोज में लगे रहेंगे। आप शान्त और स्थिर दिमाग वाले होंगे और लम्बे समय तक अपने मस्तिष्क को एकाग्रचित करके कोई कार्य कर सकते हैं। भौतिक और रासायनिक विज्ञान में आपकी रूचि होगी। अनौपचारिक अध्ययन एवं अनुसंधान में भी आपकी रूचि होगी। आपका ज्ञान विस्तृत होगा और आप वाक्पटु होंगे। आपके ये गुण दूसरों को प्रभावित करेंगे और लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आप सतत प्रयास और धैर्य के लिए जाने जायेंगे। अपनी भावनाओं और आवेगों पर आपका नियंत्रण होगा। आप एक कूटनीतिज्ञ और चतुर व्यक्ति होंगे। आपकी वाणी में मिठास और नम्रता होगी।

कला, संगीत और साहित्य में भी आपकी रूचि होगी और आप इन विधाओं में निपुणता प्राप्त करेंगे। आप महत्वाकांक्षी होंगे। आप बहुत उदार और सुशील होंगे। आप सादा जीवन और ऊँचे विचार की शैली को मान्यता देंगे ओर कम खर्चीले होंगे। आप धार्मिक होंगे और धर्म तथा परम्पराओं के प्रति आपके हृदय में सम्मान होगा। यात्रा और भ्रमण पर जाना आपको पसन्द होगा। आपमें अनेक प्रकार की चीजों को इकट्ठा करने की उत्सुकता होगी, जो आपकी कल्पना को जागृत करेगा। आप अपने द्वारा इकट्ठा की गयी चीजों को नष्ट करने के पक्ष में नहीं होंगे।

मानसिक स्थिति :–

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा कन्या राशि में स्थित है, जो बुध द्वारा संचालित होता है। यह साधारण, नकारात्मक और भौतिक राशि है। आप शान्त स्वभाव वाले, लेकिन चंचल प्रवृति के हो सकते हैं। आप अधिक महत्वाकांक्षी नहीं होंगे। आप अहंकारी तथा निराधार वादे करने वालों से घृणा करेंगे। आपका भौतिक स्तर ऊँचा होगा तथा आप बौद्धिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे, जिसमें जिम्मेदारी और अधीनस्थता हो। आप शान्तिमय तथा तनावमुक्त जीवन पसन्द करेंगे।

आपका अपने परिवार से लगाव होगा तथा आपके निकट सम्बन्धी आपके जीवन को आनन्दमय तथा खुशहाल बना देंगे। कृषि उत्पाद, दवाइयां, आयुर्वेद, खाद्य पदार्थ, मिष्ठान तथा घर में प्रयोग किये जाने वाले दूसरे उपकरण आपको आकर्षित करेंगे। आप अपने सहयोगियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा अधीनस्थ अधिकारियों से मीठे

सम्बन्ध विकसित करेंगे। यदि आपका कोई घरेलू नौकर है, तो उसका आचरण ठीक होगा और वो आपका आदर करेगा।

आपका स्वभाव जन्म से ही जागरूक और तेज होगा, फिर भी आप कुछ कम बोलने वाले भी हो सकते हैं, जिसके कारण आप सामान्य रूप से धैर्यवान होंगे। कम उम्र में ही आपका पारिवारिक भाग्य क्षीण होने के कारण या घरेलू विवाद, किसी तरह का प्रतिबन्ध या कमी आपके जीवन को पीछे की ओर खींच सकती है। औपचारिक तौर पर आप विष्लेषण विज्ञान पढ़ेंगे, लेकिन हस्तकला में भी दिलचस्पी होगी और आप केवल सैद्धान्तिक विषय पढ़ने में ही दिलचस्पी नहीं रखेंगे, लेकिन व्यवहारिक भी होंगे और आप उनका पूर्णतया उपयोग करने में रूचि रखेंगे। आप कुछ नई जानकारियों तथा तथ्यों की खोज कर सकते हैं या आप रोजमर्रा में प्रयोग किये जाने वाले कुछ उपकरणों का अविष्कार भी कर सकते हैं। समय के साथ–साथ आपकी परिपक्वता और भागीदारी की क्षमता बढ़ेगी, स्वभाव मिलनसार होगा, संवाद बेहतर होगा। शिक्षण या सांस्कृतिक कार्यक्रम के सिलसिले में आपके किसी दूरस्थ स्थान या विदेश जाने की संभावना है।

शारीरिक संरचना :–

आपकी रंगत गोरी और व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपके नेत्र सुन्दर और चेहरा चौड़ा होगा। आपके चेहरे पर एक मुस्कराहट विराजमान रहेगी। आप मध्यम कद के बढ़िया आकृति, पतले तथा गोल चेहरे वाले हो सकते हैं। आपका शरीर छरहरा होगा, लेकिन सीना चौड़ा होगा। आप देखने में युवा प्रतीत होंगे। आपकी नाक सीधी और नुकीली तथा आवाज तीखी हो सकती है। आपका स्वभाव चंचल हो सकता हैं।

गुण :–

आपकी ताक्रिक क्षमता विलक्षण होगी और आप बहुत बुद्धिमान और विवेकी होंगे। आपकी स्मरण शक्ति बहुत उतम होगी। आपको कई विषयों का ज्ञान होगा। आपको ललित कलाओं, जैसे संगीत, साहित्य आदि से प्रेम होगा। आप झगड़ों और कलहों से दूर रहेंगे और सौहार्दप्रिय होंगे। आप धीरे–धीरे नम्रतापूर्वक बोलेंगे तथा आपकी वाणी मृदु होगी। आप चीजों को व्यवस्थित ढ़ंग से करना और रखना पसन्द करेंगे। आप मितव्ययी होंगे और फिजूलखर्ची से दूर रहेंगे।

अवगुण :–

आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कभी–कभी आप भ्रमित हो सकते हैं, जिससे आपको अपने निर्णय पर पहुंचने में विलम्ब हो सकता है, इस कारण से आप निरूत्साहित हो सकते हैं। आप छदम रूप से दंभी हो सकते है। आप नकचढ़े हो सकते हैं और आपको खुश करना कठिन हो सकता है। आप दूसरों के धन और घर का लाभ उठा सकते हैं। आप आवेगी हो सकते हैं। आपमें प्रतिशेध की भावना हो सकती है। आपका वास्तविकता से कोई नाता नहीं हो सकता है और आप सपनों के संसार में विचरण कर सकते हैं।

विशेष लक्षण :–

1– आप कर्तव्यपरायण होंगे और अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभायेंगे।
2– चीजों का विश्लेषण करके अपनी तक्रशक्ति के अधार पर आप उनकी समालोचना करेंगे।
3– आपकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण होगी और अपनी विलक्षण ग्राह्य क्षमता के कारण नवीन चीजों को आप शीघ्र आत्मसात कर लेंगे।
4– आप प्रत्येक कार्य विधिवत ढ़ंग से करेंगे और उनके हर पहलू, हर बारीकी और तथ्य पर ध्यान देंगे।
5– आप एक कुशल अन्वेशक होंगे और अपने आस–पास की परिस्थितियों को जांचने–परखने की आपमें अद्भुत क्षमता होगी।

रोजगार :–

आपका मेधावी होने का गुण आपको बौद्धिक कार्यों की तरफ आकर्षित करेगा। आपके लिए ऐसे कार्य जहां दिमाग का प्रयोग हो, उत्तम रहेंगे। आप सलाहकार, वकील, अध्यापक, गणितज्ञ, चिकित्सक, प्रबंधक, सांख्यिकी विद्, प्रोफेसर, कांउसलर, लेखक, लेखाकार आदि बनकर अपने भविष्य को चमका सकते हैं। आप संगीतज्ञ, अभिनेता, कम्प्यूटर प्रोग्रामर, टेलीफोन आपरेटर, सुनार, ट्रांसपोर्ट या टूर प्रबंधक के रूप में भी प्रगति कर सकते हैं।

शुभ एवं अशुभ ग्रह :–

1– आप कर्तव्यपरायण होंगे और अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को पूर्ण समर्पण के साथ निभायेंगे।
2– चीजों का विश्लेषण करके अपनी तक्रशक्ति के अधार पर आप उनकी समालोचना करेंगे।
3– आपकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण होगी और अपनी विलक्षण ग्राह्य क्षमता के कारण नवीन चीजों को आप शीघ्र आत्मसात कर लेंगे।
4– आप प्रत्येक कार्य विधिवत ढ़ंग से करेंगे और उनके हर पहलू, हर बारीकी और तथ्य पर ध्यान देंगे।
5– आप एक कुशल अन्वेशक होंगे और अपने आस–पास की परिस्थितियों को जांचने–परखने की आपमें अद्भुत क्षमता होगी।
6– आपके लग्न का स्वामी बुध होने के कारण आपके लिए सबसे शुभ होगा।
7– द्वितीयेश और नवमेश शुक्र एक लाभकारी ग्रह होगा।3–तृतीयेश और अष्टमेश मंगल अति अशुभ होगा। एकाददेश चन्द्रमा भी शुभ है।
8– बृहस्पति सप्तमेश होने के कारण मारकेश है।

कन्या लग्न वाले कुछ महत्वपूर्ण व्यक्ति :–

अजहरूद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वेंकटेश प्रसाद – क्रिकेटर, जान एफ कैनेडी, विल क्लींटन – पूर्व अमेरिकी

राष्ट्रपति, प्रिंसेस डायना – वेल्स की राजकुमारी, मुजीबुर रहमान – बांग्लादेश के जन्मदाता, राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हाराव – पूर्व प्रधनमंत्री, लियंडर पेस – टेनिस खिलाड़ी, राधाकृष्णनन – भारत के पूर्व राष्ट्रपति।

विभिन्न ज्योतिष कारकों का फल

जन्म कालिक ब्राहस्पत्य (संवत्सर) का फल :

आपका जन्म प्रमादी संवत्सर में हुआ है।यदि आपकी कुण्डली में कुछ अनुकूल योग मौजूद नहीं हैं, और/या यदि कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो आपको कुछ प्रतिकूल परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। आप बहुत बुद्धिमान या ज्ञानी नहीं हो सकते हैं, और उत्तम आजीविका कमाने के लिए पर्याप्त कुशल नहीं हो सकते हैं। तो भी आप वृथा अभिमानी प्रकृति और अत्यधिक घमंडी स्वभाव के हो सकते हैं, एवं विद्वेषी व लालची व्यक्ति हो सकते हैं। आप विचारहीन और झगड़ालु हो सकते हैं, कई लोगों का विरोध कर सकते हैं, तथा निन्दनीय व बुरे कामों को करने में आपको विशेष सुख मिल सकता है।

जन्म कालिक सौर अयन का फल :

आपका जन्म सूर्य के दक्षिणायन (यमयायन) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आप कुछ हद तक दम्भी और हठी प्रकृति या असहिष्णु स्वभाव वाले व्यक्ति हो सकते हैं। आप कठोर हृदय वाले या कपटी हो सकते हैं। आप कृषि कार्यों और/या मवेशियों के पालन से अपनी जीविकोपार्जन कर सकते हैं। साथ ही, आप कुछ ऐसे कार्यों को करने में संलग्न हो सकते हैं, जहां आपके द्वारा किए गए कार्यों की अपेक्षा आपको प्राप्त होने वाला पारिश्रमिक बिल्कुल भी सामंजस्यपूर्ण नहीं हो सकता है।

जन्म कालिक ऋतु का फल :

आपका जन्म हेमन्त ऋतु में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल हैं। आप अत्यंत बुद्धिमान, विचारवान, ज्ञानी और विवेकशील व्यक्ति होंगे। आप स्वतन्त्र विचारों के साथ–साथ उदार प्रवृत्ति वाले व्यक्ति होंगे और सदैव न्यायसंगत कार्य करने में संलग्न रहेंगे। आपकी धार्मिक रूचि उत्कृष्ट होगी और आप अपनी आजीविका एक वरिष्ठ सलाहकार या एक परामर्शदाता बनकर अर्जित कर सकते हैं। आप सुन्दर आचरण और विनम्र प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे– जिसके लिए लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे।

जन्म कालिक मास का फल :

आपका जन्म पौष मास (दिसम्बर/जनवरी) में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली मे कुछ संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। यद्यपि आप आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर स्वरूप वाले होंगे, फिर भी, आपकी शारीरिक संरचना कमजोर हो सकती है, आपको अपने माता–पिता से आर्थिक सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है।, तो भी आप लापरवाही से खर्च कर सकते हैं। साथ ही, आप गोपनीय प्रकृति के हो सकते हैं और अपने विचार व निर्णय अपने तक ही सीमित रख सकते हैं– जिससे आप अपने विरोधियों को आघात पहुंचाने में सक्षम हो सकते हैं। सुखद पहलु यह है, कि आप धार्मिक विचारों वाले, पवित्र ग्रन्थों का अध्ययन करने के शौकीन

और विद्वानों व धर्मपरायण लोगों का उचित सम्मान करने वाले होंगे।

जन्म कालिक पक्ष का फल :

आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो ये संकेत अनुकूल नहीं हैं। आपकी शारीरिक संरचना कुछ–कुछ कमजोर हो सकती है और आप आसानी से रोगादि से ग्रसित हो सकती हैं। आप चंचल प्रकृति और अस्थिर स्वभाव वाली हो सकती हैं। आप पर शरारती और/या झगड़ालु होने की छाप लग सकती है। आप बहुत भावुक प्रकृति की हो सकती हैं, चीजों को उनके उचित परिपेक्ष्य में देखे बिना ही आप राई को पहाड़ बना सकती हैं।
जैसाकि आपकी कुण्डली में अति शुभ ग्रह बृहस्पति की चंद्रमा के साथ युति है (या इस पर उसकी दृष्टि पड़ रही है), आपमें मानसिक शांति और मिजाज की समानता विद्यमान होगी। आप खुले विचारों के साथ–साथ स्पष्टवादी प्रकृति, आशावादी दृष्टिकोण और परोपकारी स्वभाव की महिला होंगी। आर्थिक रूप से आप काफी सम्पन्न होंगी और आपके मित्रों व परिचितों का दायरा विस्तृत होगा। आप सदैव स्वयं निर्णय करने की स्थिति में होंगी और आपके दायरे के लोग कुछ महत्वपूर्ण मामलों में आपकी कीमती राय या सलाह ले सकते हैं।

जन्म कालिक वार का फल :

आपका जन्म सोमवार को हुआ है। दिवसपति चंद्रमा की स्थिति आपकी कुण्डली में काफी महत्वपूर्ण है। इसका फल– भाव में इसकी स्थिति के अनुसार– और भी अधिक महत्वपूर्ण होगा। सामान्यतः अन्य सारे संकेत अनुकूल हैं। आप शांत स्वभाव के ज्ञानी व्यक्ति होंगे– इसके अतिरिक्त मृदुभाषी व स्थिर चित्त वाले होंगे। बाहरी स्थिति में परिवर्तन के बाद भी आप सुव्यवस्थित/अनुद्विग्न रहेंगे एवं अपने उद्देश्यों की पूर्ति का मार्ग आपको ज्ञात होगा। आप बहुत लोकप्रिय होंगे एवं अधिकारियों से अनेक प्रत्यक्ष समर्थन और अप्रत्यक्ष लाभ का आनन्द लेंगे।

दिन या रात के जन्म का फल :

आपका जन्म रात्रि के समय में हुआ है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो आप कुछ हद तक आलसी हो सकते हैं और आपको दिन में सोने का शौक हो सकता है। आप कुछ–कुछ गोपनीय प्रकृति के हो सकते हैं और आप अपनी कुछ इच्छायें या उद्देश्य गुप्त रखना चाहेंगे। इसके अतिरिक्त आप थोड़े कामुक भी हो सकते हैं– जिसकी वजह से आप अपने जीवनसाथी से दबे हो सकते हैं। आप सक्रिय, उर्जावान, आशावादी और उत्साह से परिपूर्ण होंगे।

जन्म कालिक सूर्य सिद्धान्त योग का फल :

सूर्य–सिद्धान्त के अनुसार आपका जन्म सौभाग्य योग में हुआ है। यह योग अनुकूल श्रेणी से संबंध रखता है। इस योग में जन्म होने के कारण, आप कई मामलों में अत्यंत भाग्यशाली होंगे। आप सदाचारी प्रवृत्ति वाले विद्वान और बुद्धिमान व्यक्ति होंगे और सदैव न्यायसंगत मार्ग का चयन करेंगे। आपके व्यवहार, ईमानदारी, विवेकशीलता और

दूरदर्शिता के लिए लोग आपको अधिक सम्मान देंगे और उनसे संबंधित महत्वपूर्ण मामलों में आपसे विशिष्ट सलाह ले सकते हैं।

जन्म कालिक तिथि का फल :

आपका जन्म नवमी तिथि को हुआ है। आपका अपने पिता से नजदीकी लगाव होगा और शिक्षकों व उपदेशकों के प्रति सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, लेकिन स्वभाव से आप कुछ हद तक भिन्न हो सकते हैं– जिसकी वजह से आपके कुछ अपने लोग ही आपका विरोध कर सकते हैं या आपसे फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा और आपमें न्याय व शिष्टाचार की समझ अत्यंत सराहनीय होगी। आप कक्रश व कड़क बोली तथा भ्रष्ट प्रकृति के हो सकते हैं, यहां तक कि आपके अपने लोग भी आपके बुरे बर्ताव के कारण आपकी निन्दा कर सकते हैं।

जन्म कालिक करन का फल :

आपका जन्म गरिजा करन में हुआ है। यह चर श्रेणी का पांचवां करन है। आप उत्तम स्वास्थ्य, सुगठित शारीरिक संरचना, सुन्दर स्वरूप और मनोहारी बर्ताव से सुसम्पन्न होंगे। आप बुद्धिमान और ज्ञानी होंगे, उदार वादी विचारों वाले, सम्माननीय और दूसरों के प्रति हितकारी भाव रखने वाले होंगे। आप चतुर होंगे, किन्तु विवेकपूर्ण भी होंगे, आप अपने सभी शत्रुओं को पूर्णतः परास्त करने में सक्षम होंगे– किन्तु आप ऐसा बिना किसी गुट, सामाजिक संघ या कपटपूर्ण कार्यों का सहारा लिए ही करेंगे। आपकी सफलता की कुंजी आपकी सहनशीलता, दृढ़ता, समझदारी और समय पर कार्य करने की आदत होगी। आप अपना मार्ग स्वयं बनाने में सक्षम होंगे और दीर्घकाल में अपने समकालीनों से आगे निकल जाएंगे।

जन्म कालिक नक्षत्र का फल :

आपकी जन्मकुण्डली में, चंद्रमा हस्त नक्षत्र में स्थित है। इस नक्षत्र में जन्म लेने के कारण, आप अनेक मामलों में बहुत भाग्यशाली होंगी। आप सक्रिय आदतों, संवेदनशील प्रकृति और विचारशील प्रवृत्ति की महिला होंगी। आप अत्यंत बुद्धिमान और सुशिक्षित होंगी। इसके अतिरिक्त, आपको पवित्र प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन करने में गहन रूचि होगी, या फिर, आप ललित कलाओं की किसी विधा में प्रवीणता अर्जित कर सकती हैं। आप रचनात्मक कल्पना और उत्कृष्ट विचारों से सम्पन्न होंगी। आप एक लेखक, सम्पादक, अंशदाता, आलोचक आदि के रूप में विख्यात हो सकती हैं। आपके व्यवसाय का कुछ संबंध नगर निगम, जल–कार्य, व्यापारी जलयान (मर्चेन्ट–नेवी), आयात–निर्यात आदि से हो सकता है, आपकी आय उत्कृष्ट होगी।

जन्म कालिक लग्न का फल :

आपका जन्म कन्या लग्न में हुआ है। यह राशिचक्र की छठवीं राशि है। संरचनात्मक रूप से यह एक पृथ्वी तत्व की उभय राशि है– शासित ग्रह बुध की नकारात्मक राशि। आप उदीयमान राशि कन्या और इसके स्वामी ग्रह

बुध की नैसर्गिक विशेषताओं और विशिष्ट गुणों से सम्पन्न होंगे। इस राशि की लाक्षणिक विशेषताएं फसल और पालन–पोषण है। इस राशि का स्वामित्व शरीर के आंतों और सौर तंतुजाल (अमाशय के पीछे का तंत्रिका–जाल) के भाग पर है। आपको आंतों की धीमी गतिविधि के कारण समस्याएं हो सकती हैं। आपको जैतून का रंग पसन्द होगा, आपका भाग्यशाली रत्न गोमेद है और आपका पसन्दीदा फूल एस्टर (गेंदे के प्रकार का कई रंगों वाला) है।

आप अपनी स्वयं की दुनिया में रहने में विश्वास कर सकते हैं, तथा या फिर, किसी समय आप काफी शर्मीले और किसी दूसरे समय में बहुत स्पष्टवादी हो सकते हैं। बहुत शीघ्र ही बड़े हो जाने और भारी जिम्मेदारियों का बोझ उठाने का भय आपके मन में उत्पन्न असुरक्षा की भावना का प्रमुख कारण हो सकता है। किन्तु एक ऐसा समय आएगा, जब आप अचानक ही जीवन के गंभीर उद्देश्यों को समझेंगे।

आपका सकारात्मक पक्ष यह है कि, आप मेहनती प्रकृति और गैरसमझौतावादी प्रवृत्ति के एक चैतन्य व्यक्ति होंगे। हालांकि, आप कुछ हद तक अल्पभाषी और एकान्तप्रिय हो सकते हैं। आप अविष्कारक दिमाग, रचनात्मक कल्पनाशीलता, स्पष्ट समझ, ताक्रिक सोच और पक्षपातरहित दृष्टिकोण से सम्पन्न होगे। आप सहनशीलता और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति होंगे एवं अत्यंत उत्तम कार्य करने के उद्देश्य से समर्पित होंगे।

इसका दूसरा पक्ष यह है, कि आप स्वकेन्द्रित, छिद्रान्वेषी और घमण्डी प्रवृत्ति के हो सकते हैं– व्यर्थ में बाल की खाल निकालने की आदत हो सकती है। आप जिम्मेदारी से दूर भागने और सुविधाजनक तरीकों से लाभ प्राप्त करने की कलात्मक दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। आपका दिमाग विकृत विचारों से पूर्ण हो सकता है और धूर्तता एवं कपटपूर्ण तरीकों से अपने हितों को पूरा करने की अनुचित भावना आपके अन्दर जन्म ले सकती है।

आपकी कुण्डली में संचालित ग्रहीय प्रभावों का एकत्रित प्रभाव और आपके द्वारा अपनी इच्छा–शक्ति के प्रयोग का तरीका यह निर्धारित करेगा, कि आप कौन सा रास्ता चुनना पसन्द करेंगे और आपको उस पर चलने से वास्तव में किस प्रकार का परिणाम प्राप्त होगा।

जन्म कालिक होरा का फल :

आपकी कुण्डली में लग्न मेष राशि के प्रथम होरा में स्थित है– जो कि सिंह होरा के समकक्ष है। इस युति के कारण आपका कद लम्बा और व्यक्तित्व ओजपूर्ण होगा। लेकिन आपका मिजाज गर्म हो सकता है और आपको बदमाश किस्म के लोगों की संगति पसन्द हो सकती है। आपमें अनावश्यक रूप से इधर–उधर देखने की विशेष आदत हो सकती है, और आप यह मान सकते हैं कि आप दूसरों से अधिक चालाक हैं।

जन्म कालिक द्रेष्काण का फल :

आपकी कुण्डली में, लग्न कन्या राशि के तीसरे द्रेष्काण में स्थित है– जो वृषभ द्रेष्काण के समकक्ष है। इस योग के कारण, आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी शारीरिक संरचना औसत होगी, लेकिन काया स्थूल और

आकृतियां स्पष्ट होंगी। आपको आडम्बर से घृणा होगी, अतः आप समस्याओं से मुक्त रहेंगे, आपमें चीजों का हल खोजने और कुछ लोगों को नियुक्त करने की विलक्षण क्षमता होगी– जो उनको हल कर सकें तथा आप उनको अपने मित्रों व परिचितों के दायरे में पाएंगे। वित्तिय मामलों में भी आप चिन्ता मुक्त रहेंगे। आपकी अपनी आय बहुत उत्तम होगी और आवश्यकता पड़ने पर दूसरों से भी आप मदद प्राप्त करेंगे। ईश्वर आपको एक शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन के आनन्द का वरदान देंगे।

जन्म कालिक प्राणपद का फल :

आपकी कुण्डली में, प्राणपद सातवें भाव (डर–भाव) में स्थित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनेक मामलों में बहुत अनुकूल नहीं हैं। आपके विचार विकृत हो सकते हैं और आप कारण व तक्र सुनना पसन्द नहीं कर सकते हैं। आप दूषित दिमाग और कामुक प्रकृति के होने के साथ–साथ क्रोधी मिजाज के हो सकते हैं, जिसे शांत करना कठिन हो सकता है। आपके व्यवहार के कारण आपके कुछ मित्र शत्रु भी बन सकते हैं।

जन्म कालिक गुलिक का फल :

आपकी कुण्डली में, गुलिक सातवें भाव (डर–भाव) में स्थित है। यह बिल्कुल भी अनुकूल योग नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो संकेत अनेक मामलों में अनुकूल नहीं हैं। आपके जीवनसाथी का मिजाज बहुत खराब और बर्ताव बुरा हो सकता है तथा आपको उसके अधीन रहना पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, आपको कई क्षेत्रों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आपके मित्रों की संख्या बहुत कम हो सकती है, और जीवन बहुत अरूचिकर और आनन्दरहित हो सकता है।

जन्म कालिक गण का फल :

देव गण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप आकर्षक व्यक्तित्व, सुन्दर स्वरूप, मनोहारी बर्ताव और उदार स्वभाव के व्यक्ति होंगे। आप ईश्वर के प्रति समर्पित, बड़ों, शिक्षकों व उपदेशकों के प्रति श्रद्धापूर्ण होंगे। आपकी आवाज सुरीली और वचन मधुर होंगे। आपकी भूख कम होगी और आप सात्विक भोजन करना पसन्द करेंगे। आप धनी और सद्गुणी होंगे। आप दूसरों की योग्यताओं की प्रशंसा करने और सद्गुणों को सुनने में भी सक्षम होंगे।

जन्म कालिक वर्ण का फल :

वैश्य वर्ण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप आध्यात्मिक विकास की तीसरी श्रेणी से संबद्ध होंगे, आर्थिक लाभ एवं धन संग्रह आपका मुख्य उद्देश्य हो सकता है। शैक्षिणिक उपलब्धियों एवं आध्यात्मिक उन्नति का आपके लिए बहुत अधिक महत्व नहीं हो सकता है, आप आय के मानक और भौतिक अधिग्रहणों के स्तर से अधिक प्रभावित होंगे। आप बहुत युक्तिपूर्ण और चतुर होंगे– हमेशा अपने

हितों को ही पूरा करने में लगे रहेंगे। आपका मनोबल बहुत ऊँचा नहीं हो सकता है, और सिद्धान्त लचीले हो सकते हैं। आप बहुत धनी होंगे एवं अपने जीवनसाथी व संतानों से बहुत प्रेम करेंगे, फिर भी आप बहुत खुश नहीं हो सकते हैं– जैसाकि कहीं पर किसी चीज के अभाव के कारण खालीपन महसूस कर सकते हैं। आपकी धन और अधिग्रहणों के प्रति दीवानगी के कारण आपके अपने लोग आपको एक मशीनी यंत्र के समान समझ सकते हैं।

कुण्डली में लागू होने वाले ग्रह योग (ग्रहयुति)

कुण्डली में लागू होने वाले महत्वपूर्ण योग

आपकी जन्मकुण्डली में, चतुर्थेश नीच का है या एक शत्रु की राशि में स्थित है अथवा एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ संबद्ध है या एक बुरे षष्ठीआंश में स्थित है। यह योग काफी प्रतिकूल है, इसे बन्धुभिसत्याक्त योग कहा जाता है। यदि आपकी कुण्डली में कुंछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस योग के होने के कारण आपके संबंधियों और मित्रों द्वारा जीवन में कभी आपका परित्याग किया जा सकता है– भले ही आपकी कोई छोटी गलती हो या वास्तव में कोई गलती ना हो।

आपकी जन्मकुण्डली में, पंचमेश बलशाली नहीं है– उच्चस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में नहीं होने के कारण। इसके अतिरिक्त, यह एक केन्द्र या त्रिकोण भाव में स्थित है। इस विशिष्ट योग को एक–पुत्र योग कहा जाता है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव मौजूद नहीं हैं, तो आपको केवल एक संतान की प्राप्ति हो सकती है– जिसके पुत्र होने की संभावना अत्यधिक है।

आपकी जन्मकुण्डली में, द्वितीयेश की चतुर्थेश के साथ युति है या उसपर इसकी दृष्टि है, जबकि इन दोनों ग्रहों में से कोई भी ग्रह अस्त या ग्रसित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है, इसे मातृ मूलत धन योग कहा जाता है। इस योग के होने के कारण, आपको अपनी माता से आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, बृहस्पति और शुक्र की पांचवें भाव में युति है। पांचवें भाव में कोई नैसर्गिक अशुभ ग्रह ना तो स्थित है और ना ही दृष्टि डाल रहा है। यह एक अनुकूल योग है, इसे अपत्य सुख योग कहा जाता है। इस योग के होने के कारण, आप योग्य संतानों की प्राप्ति के संदर्भ में विशेष रूप से भाग्यशाली होंगे– जो आपके परिवार के लिए सदैव गर्व व आनन्द का स्रोत बनेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, विवाह का नैसर्गिक कारक (शुक्र) वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। इसके अतिरिक्त, इसकी सर्वोत्तम नैसर्गिक शुभ ग्रह (बृहस्पति) के साथ युति है या इसकी उस पर दृष्टि है। यह एक अनुकूल योग है, इसे सत कलत्र योग कहा जाता है। आपकी कुण्डली में इस योग के होने के कारण, आप जीवनसाथी प्राप्त करने के मामले में वास्तव में बहुत भाग्यशाली होंगे– जो एक कुलीन परिवार से होंगी और सदगुणों व विशेषताओं की प्रतिमूर्ति होंगी।

आपकी जन्मकुण्डली में, तीसरा भाव एक नैसर्गिक शुभ ग्रह की राशि में है और एक नैसर्गिक शुभ ग्रह तीसरे भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि डाल रहा है, जबकि तृतीयेश का नवांश–राशिपति भी एक नैसर्गिक शुभ ग्रह है।

समग्र रूप से यह एक लाभकारी योग है, इसे सत कथादि श्रवण योग कहा जाता है। आपकी कुण्डली में इस योग की उपस्थिति के कारण, आप एक पवित्र आत्मा वाले व्यक्ति होंगे, आपको प्राचीन शास्त्रों, धार्मिक ग्रन्थों और दर्शनशास्त्र का अध्ययन करने में रूचि होगी। आपको साधुजनों का दर्शन करने में भी गहन रूचि होगी तथा उनके धार्मिक प्रवचनों को आप बहुत ध्यान से सुनेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, द्वितीयेश की एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ युति है तथा यह एक केन्द्र या त्रिकोण भाव में स्थित है। यह समग्र योग बहुत अनुकूल है, इसे युक्ति समन्वित वाग्मि योग कहा जाता है। आप वाक्पटुता की प्रतिभा से सम्पन्न होंगे तथा अपनी अकाट्य तर्कशक्ति और भाषण दक्षता के कारण सुविख्यात होंगे। अत्यधिक संभावना है कि आप सभाओं में अपनी चमक बिखेर सकते हैं और ख्याति अर्जित कर सकते हैं।

कुण्डली में लागू होने वाले अरिष्ट योग

आपकी जन्मकुण्डली में, सूर्य और राहु आपके चौथे भाव में स्थित हैं– जबकि इनमें से कोई भी उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। यह एक प्रतिकूल योग है– इसे अरिष्ट योग कहते हैं। आपके पिता को आपके जन्म के आस–पास किसी समय कष्ट सहन करना पड़ा होगा तथा उनका स्वास्थ्य व सुख आपके पारिवारिक सदस्यों की गंभीर चिन्ता का कारण बना होगा। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो आपके पिता की सोच उनके जीवनकाल में किसी समय कुछ–कुछ भ्रमित हो सकती है।

कुण्डली में लागू होने वाले रवि योग

जैसाकि एक ग्रह (चंद्रमा के अलावा) सूर्य से दूसरे भाव में उपस्थित है तथा ऐसा ही एक ग्रह सूर्य से बारहवें भाव में भी स्थित है। इससे उभयचारी योग नामक ग्रह स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अतिरिक्त, जैसाकि ये दोनों ही ग्रह नैसर्गिक शुभ ग्रह हैं, अतः यह योग बहुत शुभ होगा, क्योंकि सूर्य आपकी कुण्डली में शुभ–करतरी योग में है। इस समग्र योग को उभयचारी शुभ करतरी योग कहा जाता है। जैसाकि यह योग अनेक अनुकूल परिणामों और शुभ घटनाओं का सूचक है, आपका जन्म एक धनी परिवार में हुआ है, और आप निश्चित रूप से अपने जीवन में काफी कम आयु में ही एक विशिष्ट स्थान तक पहुंचेंगे। आप सरकारी स्रोतों से लाभ प्राप्त करेंगे, जीवन की सभी प्रकार की सुख–सुविधाओं का आनन्द लेंगे तथा आपका नाम व यश दूर–दूर तक फैलेगा।

कुण्डली में लागू होने वाले नभश योग

आपकी कुण्डली में दामिनी योग नामक एक नभश योग मौजूद है। यह एक प्रशंसनीय ग्रह स्थिति है। आप बहुत समृद्ध होंगे, पूर्णतः सभ्य प्रकृति, धैर्यवान और बहुत विद्वान होंगे। आप उदार प्रवृति वाले होंगे तथा सदैव दूसरों के प्रति करूणा का भाव रखेंगे। आप जानवरों के प्रति दयालु होंगे एवं उनकी किसी प्रकार से सेवा भी करेंगे। आप

पारम्परिक धार्मिक रीतियों का निर्वाहन करेंगे, सुखमय व शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन का आनन्द लेंगे तथा आपकी संतानें योग्य और कर्तव्यनिष्ठ होंगी। आपका नाम व यश दूर–दूर तक फैलेगा।

कुण्डली में लागू होने वाले धन योग

आपकी जन्मकुण्डली में, आठवें भाव का स्वामी मजबूत स्थिति में है, आप आर्थिक रूप से सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त, आपको एक लाभप्रद पद प्राप्त होने की बहुत अधिक संभावना है एवं नौकरी में उत्तम स्थान प्राप्त करेंगे– आपके कार्य का कोई संबंध बीमा, प्रॉविडेन्ट फंड, कर संग्रह आदि से हो सकता है। या फिर, आपको अपने जीवनसाथी या व्यावसायिक साझेदार से आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। या फिर, आप अपना स्वयं का उपक्रम प्रारम्भ करने के लिए कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थानों से ऋण के रूप में बड़ी मात्रा में धन प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में, एक अत्यंत शुभ योग मौजूद है। अपने स्वयं के प्रयत्नों को निर्देशित करके तथा अपनी इच्छाशक्ति के वास्तविक शक्ति के आधार पर आप अपने समकालीनों से बहुत आगे निकल जाएंगे। आपकी सभी महात्वाकांक्षाएं फलीभूत होंगी और आपकी अभिलाषित इच्छाएं पूर्ण होंगी। आपके आस–पास के लोग आपको एक अनुकरणीय व्यक्ति तथा एक प्रेरणादायक स्रोत के रूप में मानेंगे। आप अपने जीवनसाथी, संतानों, संबंधियों और मित्रों के साथ समृद्धिपूर्ण और खुशहाल जीवन व्यतीत करेंगे।जैसाकि आपकी जन्मकुण्डली में, लग्नेश की बृहस्पति के साथ युति है– जो कि एक अनुकूल स्थिति में है। एक शुभ योग का निर्माण हो रहा है। आप धन संबंधी मामलों में भाग्यशाली होंगे, अत्युत्तम आय होगी तथा निश्चित रूप से बहुत धनवान होंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में, चतुर्थेश द्वितीयेश के साथ संबद्ध है (या इस पर उसकी दृष्टि है)– जबकि इन दोनों ग्रहों में से कोई भी ग्रह किसी प्रकार से पीड़ित नहीं है। आप अपनी माता के संबंध में भाग्यशाली होंगे तथा उनसे आपको धन–सम्पदा की प्राप्ति होगी। आपको अपने संबंधियों तथा कृषि से भी लाभ मिलेगा।जैसाकि आपके ग्यारहवें भाव में एक जल तत्व की राशि स्थित है। आपको अपने पैतृक/जन्म स्थान से उत्तर दिशा में स्थित स्थानों पर/से उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है।

कुण्डली में लागू होने वाले वित्तहानि योग

जैसाकि आपकी जन्मकुण्डली में, एक घोर अशुभ ग्रह आपके आठवें भाव में स्थित है– जो कि किसी शुभ ग्रह से प्रभावित नहीं है। यद्यपि आप काफी सम्पन्न होंगे, तो भी आपको बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए एवं अनावश्यक रूप से अत्यधिक जोखिम नहीं उठाना चाहिए। आपको गम्भीर प्रकार की अशुभ घटना का सामना करना पड़ सकता है। इस बात की भी संभावना है, कि आप किसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों को गंभीर चोट पहुंचा सकते हैं– जिसके लिए आपकी पेशी हो सकती है या दंडित तक किया जा सकता है।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	21:41	हस्ता(4)	
सूर्य(ग्र.)	धनु	02:15	मूला (1)	**मित्र राशि**
चन्द्रमा	कन्या	16:00	हस्ता (2)	**स्व नक्षत्र**
मंगल	मेष	04:42	अश्विनी (2)	**स्व राशि**
बुध(अ.)	वृश्चिक	19:51	ज्येष्ठा (1)	**स्व नक्षत्र**
बृहस्पति	मकर	17:56	श्रवण (3)	**नीच राशि**
शुक्र	मकर	13:00	श्रवण (1)	**मित्र राशि**
शनि(व.)	मिथुन	08:12	अरिद्रा (1)	**मित्र राशि**
राहु(व.)	धनु	05:10	मूला (2)	**सम राशि**
केतु(व.)	मिथुन	05:10	मृगशिर (4)	**सम राशि**
हर्षल	तुला	03:20	चित्रा (4)	.....
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20	अनुराधा (4)	.....
प्लूटो	कन्या	13:11	हस्ता (1)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	तुला	06:39	हस्ता(4)	
सूर्य	धनु	02:15	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	मकर	14:20	श्रवण (2)	स्व राशि
मंगल	मीन	27:39	रेवती (4)	मित्र राशि
बुध(अ.)	धनु	01:00	मूला (1)	सम राशि
बृहस्पति	मकर	05:29	उत्तरा (3)	नीच राशि
शुक्र	वृश्चि	08:36	अनुराधा (2)	सम राशि
शनि	मकर	05:55	उत्तरा (3)	स्व राशि
राहु(व.)	वृष	25:27	मृगशिर (1)	उच्च राशि
केतु(व.)	वृश्चि	25:27	ज्येष्ठा (3)	उच्च राशि
हर्षल(व.)	मेष	12:53	अश्विनी (4)	....
नेपच्यून	कुंभ	24:07	पूर्वाभाद (2)	....
प्लूटो	धनु	29:35	उत्तरा (1)	....

लग्न कुण्डली

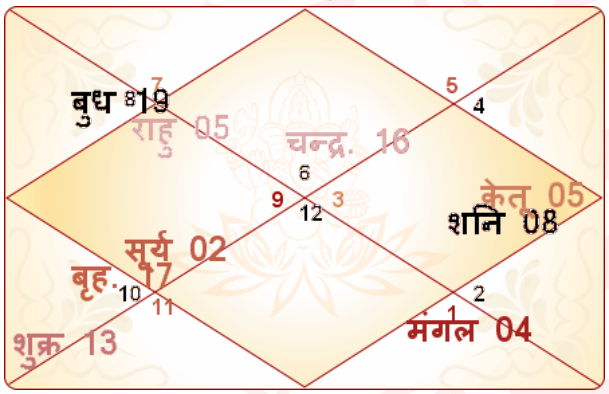

चन्द्र कुण्डली

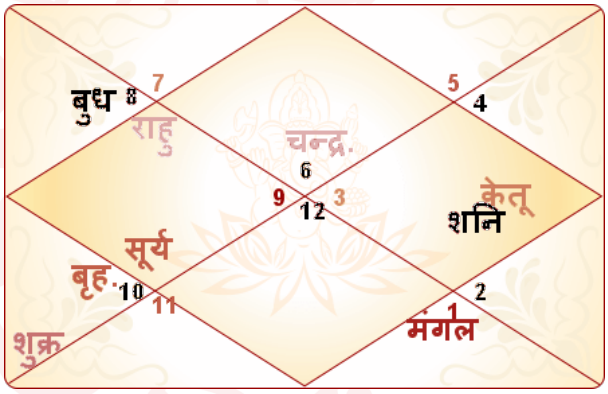

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

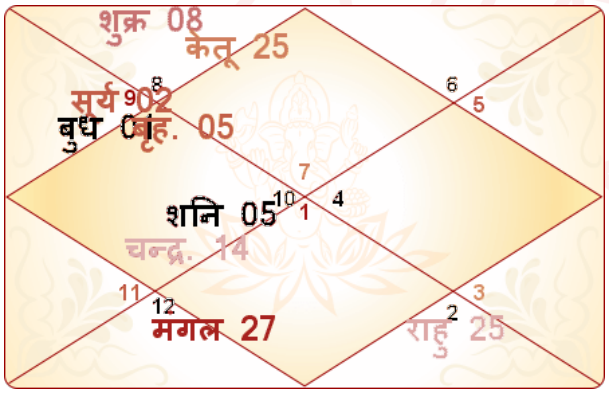

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

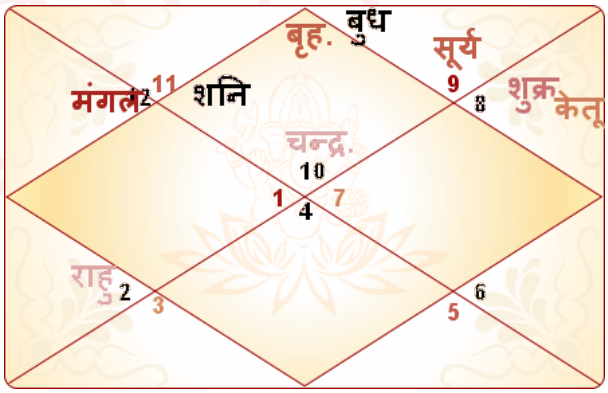

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.0	7.5	22.5	15.0	7.5	22.5	30.0
2	उच्च बल	5.81	7.93	13.37	11.56	0.06	4.62	11.56
3	हद्दा बल	7.5	11.25	15.0	7.5	7.5	15.0	7.5
4	द्रेक्कन बल	2.5	7.5	10.0	10.0	10.0	7.5	2.5
5	नवांश बल	1.25	3.75	3.75	1.25	1.25	2.5	5.0
	योग	8.02	9.48	16.16	11.33	6.58	13.03	14.14
	तुलनात्मक बल	साधारण	साधारण	पूर्णबली	बलशाली	साधारण	बलशाली	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	0	0	-1	0	0	-1	+2
2	होरा बल	+2	+2	0	0	0	-1	0
3	द्रेक्कन बल	0	-1	+2	0	0	-1	+2
4	चतुर्थांशं बल	0	-1	-1	0	0	-1	+2
5	पंचमांशं बल	0	0	-1	0	-1	-1	-1
6	षष्टांशं बल	0	0	-1	0	-1	-1	-1
7	सप्तमांशं बल	0	-1	-1	0	0	-1	0
8	अष्टमांशं बल	0	+2	-1	0	-1	+2	-1
9	नवांशं बल	0	-1	-1	0	0	0	+2
10	दसांशं बल	0	0	0	0	-1	0	-1
11	एकादसांशं बल	0	0	-1	0	+2	-1	0
12	द्वादशांशं बल	0	0	-1	0	+2	-1	0
	योग	+2	0	-7	0	0	-7	+4
	तुलनात्मक बल	साधारण	सम	बहुत बुरा	सम	सम	बहुत बुरा	अच्छा

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	5.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	0.0	0.0	5.0	5.0	5.0	5.0	0.0
4	दिवा–रात्रि बल	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0
	योग	0	5	10	10	5	10	10
	तुलनात्मक बल	निर्बली	अल्पबली	मध्यबली	मध्यबली	अल्पबली	मध्यबली	मध्यबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

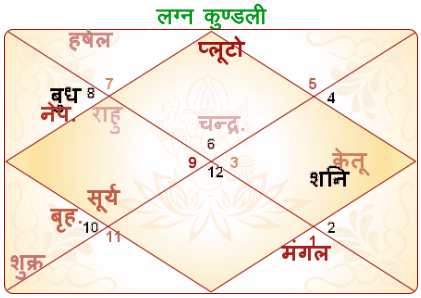

होरा कुण्डली

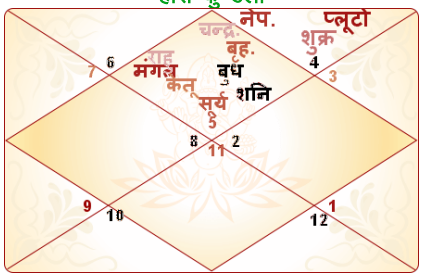

द्रेष्काण कुण्डली

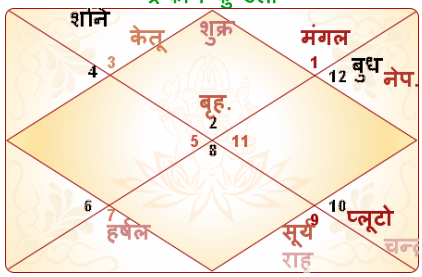

चतुर्थांश कुण्डली

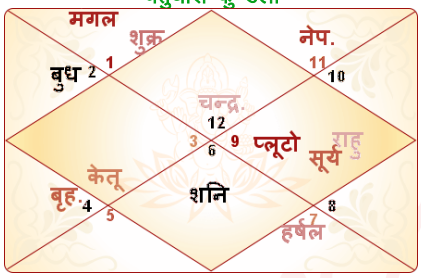

पंचमांश कुण्डली

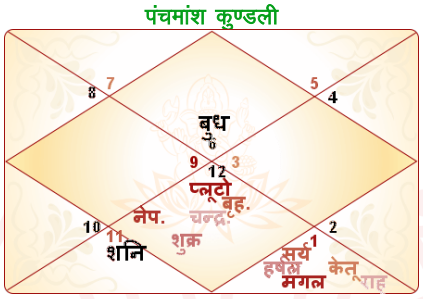

षष्टमांश कुण्डली

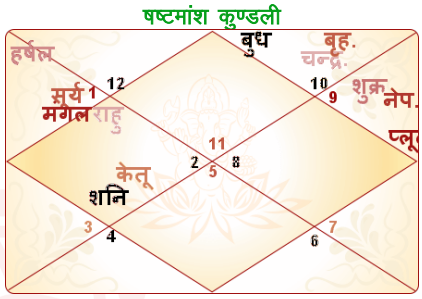

सप्तमांश कुण्डली

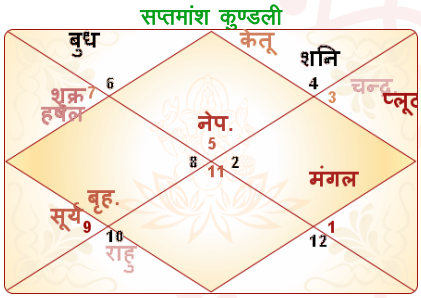

अष्टमांश कुण्डली

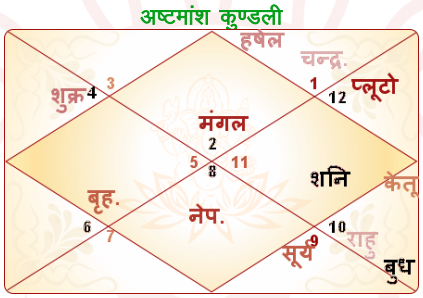

नवांश कुण्डली

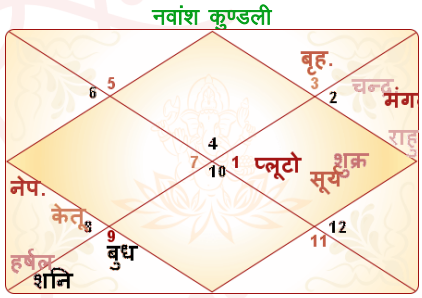

चर्तुविशांश कुण्डली

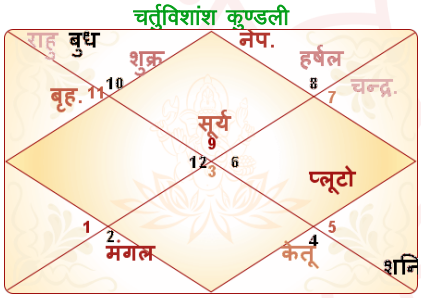

एकादशांश कुण्डली

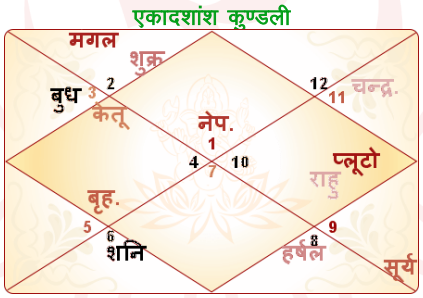

द्वादशांश कुण्डली

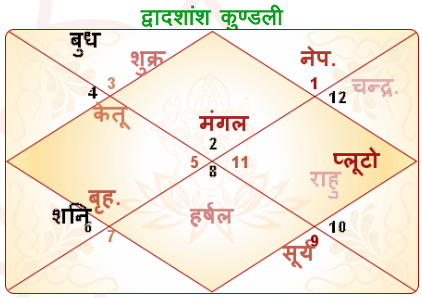

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	सम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	सम	सम	सम	सम
चंद्र	सम	....	गु.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
मंगळ	गु.शत्रु	गु.प्रेम	....	गु.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम
बुध	प्र.शत्रु	सम	गु.शत्रु	....	सम	सम	सम	सम	सम
गुरु	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	....	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
शुक्र	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	....	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु
शनि	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	....	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
राहू	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	सम	प्र.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	....	प्र.शत्रु
केतु	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, Time: 02:54Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	अवधि	से	दशा	अवधि	से
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	18:12:2020	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	18:12:2020
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	28:12:2020	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	24:01:2021
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	17:01:2021	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	06:03:2021
भ्रमरि (मंगल)	0.0 y.1.0 m.10 d.	16:02:2021	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	10:04:2021
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	29:03:2021	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:05:2021
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	19:05:2021	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	28:06:2021
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	19:07:2021	केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	11:08:2021
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	28:09:2021	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	27:09:2021

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	बुध	0.0 y.0.0 m.14 d.	18:12:2020
2	सूर्य	0.0 y.0.0 m.17 d.	31:12:2020
3	गुरु	0.0 y.1.0 m.13 d.	17:01:2021
4	शनि	0.0 y.0.0 m.6 d.	28:02:2021
5	लग्न	0.0 y.0.0 m.10 d.	06:03:2021
6	शुक्र	0.0 y.0.0 m.26 d.	16:03:2021
7	चंद्र	0.0 y.2.0 m.15 d.	10:04:2021
8	मंगल	0.0 y.5.0 m.24 d.	25:06:2021

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	18:12:2020
2	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	10:02:2021
3	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	31:03:2021
4	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	28:05:2021
5	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	19:07:2021
6	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	09:08:2021
7	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	09:10:2021
8	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	27:10:2021
9	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	26:11:2021

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	तुला	0.0 y.0.0 m.4 d.	18:12:2020
2	वृश्चिक	0.0 y.0.0 m.15 d.	21:12:2020
3	धनु	0.0 y.0.0 m.4 d.	05:01:2021
4	मकर	0.0 y.1.0 m.15 d.	09:01:2021
5	कुंभ	0.0 y.1.0 m.11 d.	23:02:2021
6	मीन	0.0 y.1.0 m.8 d.	06:04:2021
7	मेष	0.0 y.1.0 m.11 d.	13:05:2021
8	वृष	0.0 y.1.0 m.8 d.	24:06:2021
9	मिथुन	0.0 y.1.0 m.8 d.	31:07:2021
10	कर्क	0.0 y.1.0 m.8 d.	07:09:2021
11	सिंह	0.0 y.1.0 m.0 d.	15:10:2021
12	कन्या	0.0 y.1.0 m.4 d.	14:11:2021

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 47 (2020-2021) Varhphal Date: 18:12:2020, 02:54Hrs

बुध दशा

18:12:2020-30:12:2020

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सूर्य दशा

31:12:2020-16:01:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

गुरु दशा

17:01:2021-27:02:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। गुरु की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आपके कुछ पारिवारिक सदस्य– विशेषकर आपकी संतान– संभवतः कफमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। अथाव आर्थिक परेशानी के कारण आप अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत करना अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है।

शनि दशा

28:02:2021-05:03:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना

चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

लग्न दशा

06:03:2021-15:03:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

शुक्र दशा

16:03:2021-09:04:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

चंद्र दशा

10:04:2021-24:06:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

मंगल दशा

25:06:2021-17:12:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं

आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 48 (2021-2022) Varhphal Date: 18:12:2021, Time: 09:08Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	21:41	हस्ता(4)	
सूर्य(ग्र.)	धनु	02:15	मूला (1)	**मित्र राशि**
चन्द्रमा	कन्या	16:00	हस्ता (2)	**स्व नक्षत्र**
मंगल	मेष	04:42	अश्विनी (2)	**स्व राशि**
बुध(अ.)	वृश्चिक	19:51	ज्येष्ठा (1)	**स्व नक्षत्र**
बृहस्पति	मकर	17:56	श्रवण (3)	**नीच राशि**
शुक्र	मकर	13:00	श्रवण (1)	**मित्र राशि**
शनि(व.)	मिथुन	08:12	अरिद्रा (1)	**मित्र राशि**
राहु(व.)	धनु	05:10	मूला (2)	**सम राशि**
केतु(व.)	मिथुन	05:10	मृगशिर (4)	**सम राशि**
हर्षल	तुला	03:20	चित्रा (4)	.....
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20	अनुराधा (4)	.....
प्लूटो	कन्या	13:11	हस्ता (1)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	मकर	00:32	हस्ता(2)	
सूर्य	धनु	02:15	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	वृष	21:02	रोहिणी (4)	उच्च राशि
मंगल	वृश्चि	09:09	अनुराधा (2)	स्व राशि
बुध(अ.)	धनु	12:46	मूला (4)	सम राशि
बृहस्पति	कुंभ	03:50	धनिष्ठा (4)	सम राशि
शुक्र	मकर	02:17	उत्तरा (2)	मित्र राशि
शनि	मकर	16:19	श्रवण (2)	स्व राशि
राहु(व.)	वृष	06:06	कृतिका (3)	उच्च राशि
केतु(व.)	वृश्चि	06:06	अनुराधा (1)	उच्च राशि
हर्षल(व.)	मेष	17:04	भरणी (2)	....
नेपच्यून	कुंभ	26:19	पूर्वाभाद (2)	....
प्लूटो	मकर	01:20	उत्तरा (2)	....

लग्न कुण्डली

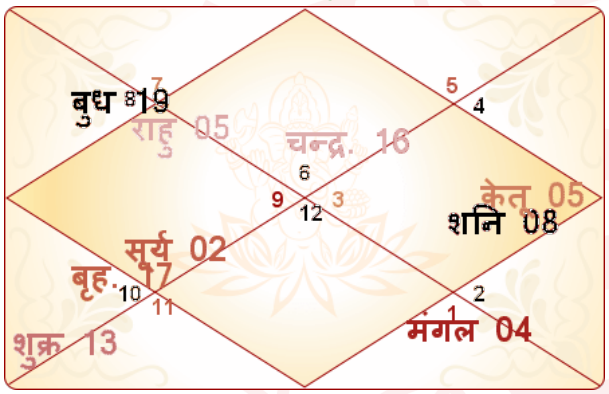

चन्द्र कुण्डली

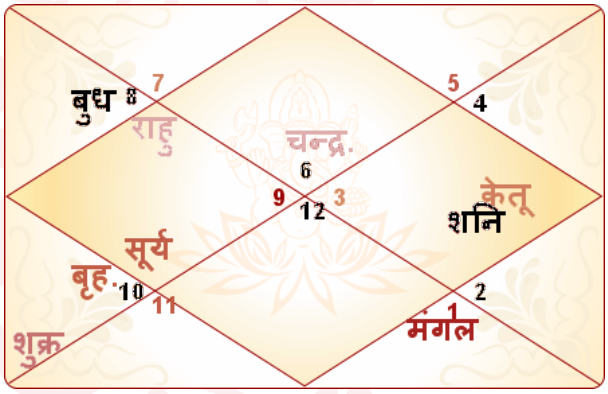

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

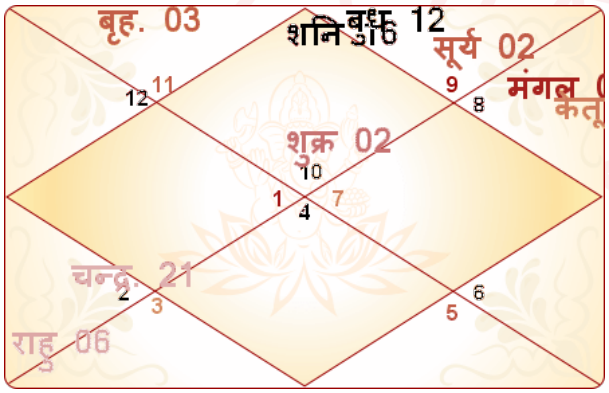

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

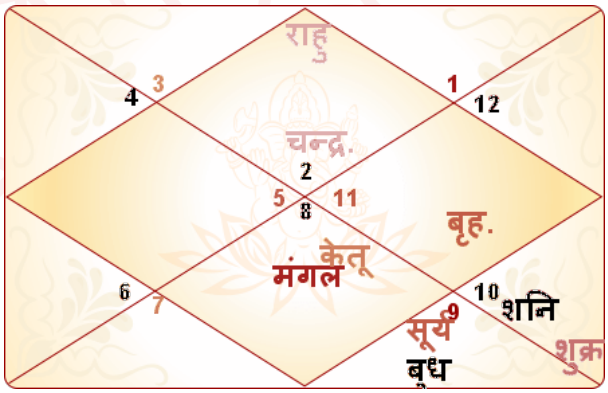

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 48 (2021-2022) Varhphal Date: 18:12:2021, Time: 09:08Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	22.5	22.5	30.0	22.5	15.0	7.5	30.0
2	उच्च बल	5.81	18.0	11.24	10.25	3.2	10.59	10.41
3	हद्दा बल	11.25	3.75	11.25	7.5	11.25	7.5	3.75
4	द्रेक्कन बल	2.5	7.5	10.0	5.0	5.0	5.0	7.5
5	नवांश बल	2.5	5.0	2.5	2.5	1.25	1.25	1.25
	योग	11.14	14.19	16.25	11.94	8.93	7.96	13.23
	तुलनात्मक बल	बलशाली	बलशाली	पूर्णबली	बलशाली	साधारण	साधारण	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	-1	-1	+2	-1	0	0	+2
2	होरा बल	+2	0	0	0	-1	-1	0
3	द्रेक्कन बल	-1	-1	+2	0	0	0	0
4	चतुर्थांशं बल	-1	0	-1	-1	0	0	-1
5	पंचमांशं बल	0	0	-1	-1	0	-1	0
6	षष्टांशं बल	0	-1	+2	+2	0	+2	+2
7	सप्तमांशं बल	-1	0	0	0	0	-1	0
8	अष्टमांशं बल	-1	-1	-1	-1	-1	-1	0
9	नवांशं बल	0	+2	0	0	0	0	0
10	दसांशं बल	-1	0	-1	0	+2	0	+2
11	एकादसांशं बल	-1	0	-1	0	+2	0	0
12	द्वादशांशं बल	-1	-1	-1	0	+2	0	-1
	योग	-6	-3	0	-2	+4	-2	+4
	तुलनात्मक बल	बहुत बुरा	बुरा	सम	सम	अच्छा	सम	अच्छा

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	5.0	5.0	0.0	0.0	0.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	5.0	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0	5.0
4	दिवा–रात्रि बल	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	0.0
	योग	10	5	10	0	5	5	10
	तुलनात्मक बल	मध्यबली	अल्पबली	मध्यबली	निर्बली	अल्पबली	अल्पबली	मध्यबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

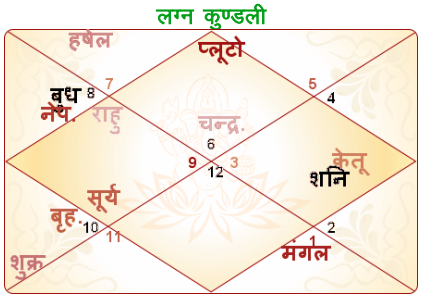

होरा कुण्डली

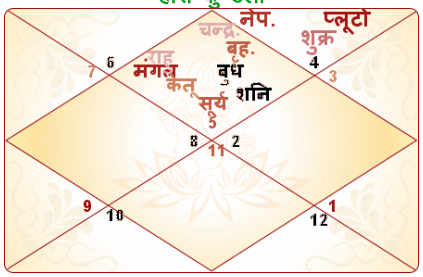

द्रेष्काण कुण्डली

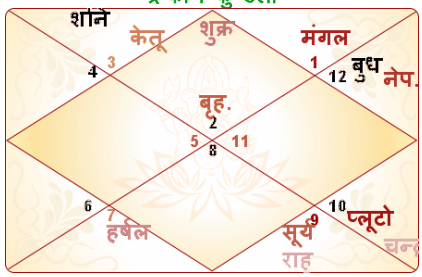

चतुर्थांश कुण्डली

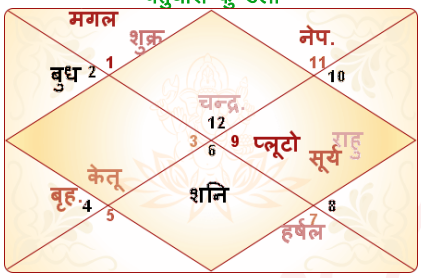

पंचमांश कुण्डली

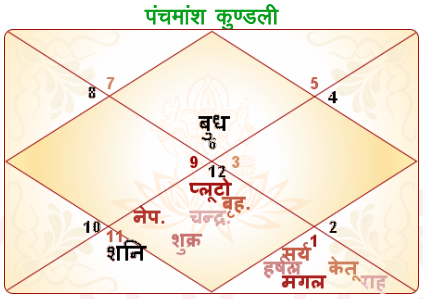

षष्टमांश कुण्डली

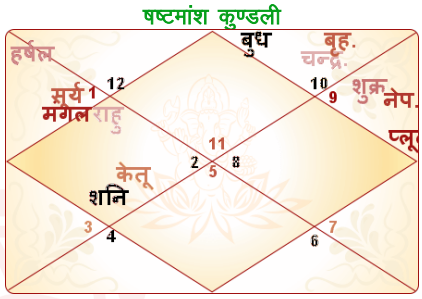

सप्तमांश कुण्डली

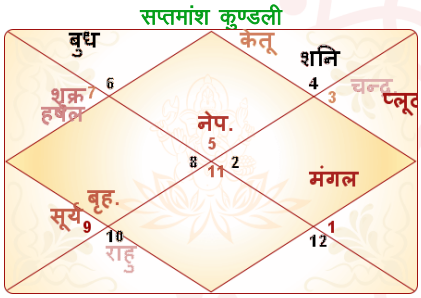

अष्टमांश कुण्डली

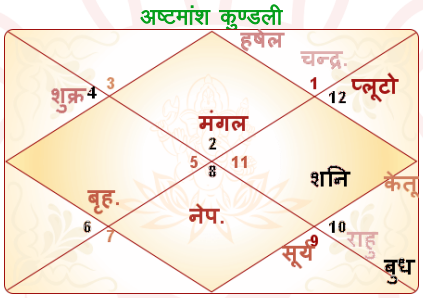

नवांश कुण्डली

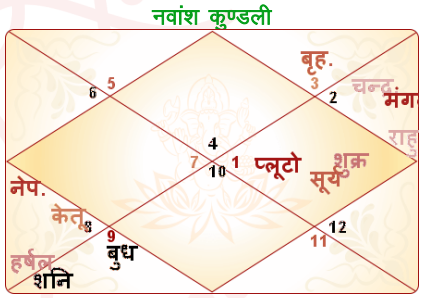

चर्तुविशांश कुण्डली

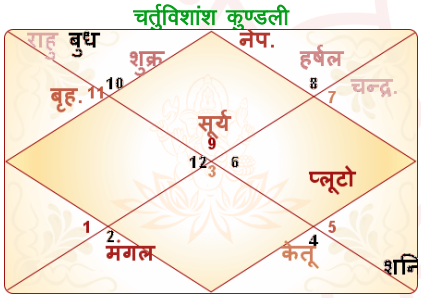

एकादशांश कुण्डली

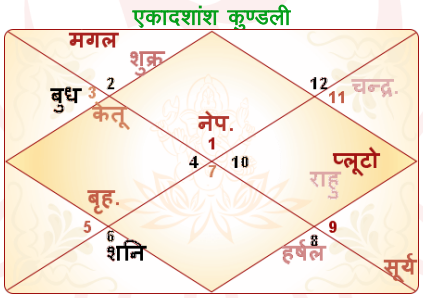

द्वादशांश कुण्डली

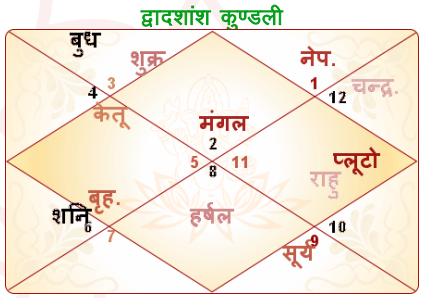

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	सम	सम	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	सम	सम	सम
चंद्र	सम	....	प्र.शत्रु	सम	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु
मंगळ	सम	प्र.शत्रु	....	सम	गु.शत्रु	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु
बुध	प्र.शत्रु	सम	सम	....	गु.प्रेम	सम	सम	सम	सम
गुरु	गु.प्रेम	गु.शत्रु	गु.शत्रु	गु.प्रेम	....	सम	सम	गु.शत्रु	गु.शत्रु
शुक्र	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	सम	सम	....	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
शनि	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	सम	सम	प्र.शत्रु	....	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
राहू	सम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	....	प्र.शत्रु
केतु	सम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	गु.शत्रु	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 48 (2021-2022) Varhphal Date: 18:12:2021, Time: 09:08Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	अवधि	से	दशा	अवधि	से
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	18:12:2021	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:12:2021
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	07:01:2022	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	28:01:2022
भ्रमरि (मंगल)	0.0 y.1.0 m.10 d.	07:02:2022	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	03:03:2022
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	19:03:2022	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	10:04:2022
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	09:05:2022	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	21:05:2022
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	09:07:2022	केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	04:07:2022
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	18:09:2022	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	20:08:2022
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	08:12:2022	बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	10:10:2022

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	लग्न	0.0 y.0.0 m.10 d.	18:12:2021
2	सूर्य	0.0 y.0.0 m.30 d.	27:12:2021
3	शुक्र	0.0 y.0.0 m.1 d.	26:01:2022
4	गुरु	0.0 y.0.0 m.27 d.	27:01:2022
5	मंगल	0.0 y.3.0 m.1 d.	23:02:2022
6	बुध	0.0 y.2.0 m.2 d.	26:05:2022
7	शनि	0.0 y.2.0 m.1 d.	27:07:2022
8	चंद्र	0.0 y.2.0 m.21 d.	27:09:2022

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	18:12:2021
2	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	05:02:2022
3	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	03:04:2022
4	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	25:05:2022
5	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	15:06:2022
6	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	15:08:2022
7	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	02:09:2022
8	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	03:10:2022
9	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	24:10:2022

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	मकर	0.0 y.1.0 m.13 d.	18:12:2021
2	धनु	0.0 y.1.0 m.6 d.	30:01:2022
3	वृश्चिक	0.0 y.1.0 m.13 d.	07:03:2022
4	तुला	0.0 y.0.0 m.11 d.	19:04:2022
5	कन्या	0.0 y.1.0 m.3 d.	30:04:2022
6	सिंह	0.0 y.0.0 m.29 d.	02:06:2022
7	कर्क	0.0 y.1.0 m.6 d.	01:07:2022
8	मिथुन	0.0 y.1.0 m.6 d.	06:08:2022
9	वृष	0.0 y.0.0 m.29 d.	11:09:2022
10	मेष	0.0 y.0.0 m.25 d.	10:10:2022
11	मीन	0.0 y.0.0 m.4 d.	04:11:2022
12	कुंभ	0.0 y.1.0 m.10 d.	08:11:2022

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 48 (2021-2022) Varhphal Date: 18:12:2021, 09:08Hrs

लग्न दशा

18:12:2021-26:12:2021

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है। यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। यह बहुत सुन्दर योग है। लग्न की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आप अपने वरिष्ठों व अधिकारियों से लाभ व समर्थन प्राप्त करेंगे एवं आपकी बारी आने से पहले ही आपको पदोन्नति प्रदान की जा सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक स्तर में सुधार होगा। यदि आपके लग्न में एक नैसर्गिक शुभ ग्रह उपस्थित है तो आपको अपनी प्रतिभा के लिए उचित पहचान प्राप्त हो सकती है अथवा आप अपने कुछ सराहनीय कार्यों या विशेष उपलब्धियों के कारण प्रशंसा प्राप्त कर सकते हैं।

सूर्य दशा

27:12:2021-25:01:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से यह एक उदासीन योग का निर्माण करता है। अतः सूर्य की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है एवं आप अपने किसी वरिष्ठ अथवा सहकर्मी के साथ मामूली असहमति अथवा गलतफहमी के कारण झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

शुक्र दशा

26:01:2022-26:01:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

गुरु दशा

27:01:2022-22:02:2022

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

मंगल दशा

23:02:2022-25:05:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित नहीं है। वास्तव में यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ एवं सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

बुध दशा

26:05:2022-26:07:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

शनि दशा

27:07:2022-26:09:2022

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

चंद्र दशा

27:09:2022-17:12:2022

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा उच्चस्थ या अपनी राशि में है एवं यह ग्रसित नहीं है। चंद्रमा की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी आय एवं अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा। आप आभूषण व कुछ सम्पत्ति खरीदने के लिए अच्छी रकम खर्च कर सकते हैं। आप अपने संबंधियों व मित्रों से मिलने के लिए कुछ छोटी यात्राएं कर सकते हैं। आप पिकनिक व भ्रमण का भी आनन्द प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 49 (2022-2023) Varhphal Date: 18:12:2022, Time: 15:21Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	21:41	हस्ता(4)	
सूर्य(ग्र.)	धनु	02:15	मूला (1)	**मित्र राशि**
चन्द्रमा	कन्या	16:00	हस्ता (2)	**स्व नक्षत्र**
मंगल	मेष	04:42	अश्विनी (2)	**स्व राशि**
बुध(अ.)	वृश्चिक	19:51	ज्येष्ठा (1)	**स्व नक्षत्र**
बृहस्पति	मकर	17:56	श्रवण (3)	**नीच राशि**
शुक्र	मकर	13:00	श्रवण (1)	**मित्र राशि**
शनि(व.)	मिथुन	08:12	अरिद्रा (1)	**मित्र राशि**
राहु(व.)	धनु	05:10	मूला (2)	**सम राशि**
केतु(व.)	मिथुन	05:10	मृगशिर (4)	**सम राशि**
हर्षल	तुला	03:20	चित्रा (4)	.....
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20	अनुराधा (4)	.....
प्लूटो	कन्या	13:11	हस्ता (1)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	वृष	01:07	हस्ता(2)	
सूर्य	धनु	02:15	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	कन्या	26:04	चित्रा (1)	मित्र राशि
मंगल(व.)	वृष	18:15	रोहिणी (3)	सम राशि
बुध	धनु	21:56	पूर्वाषाढ़ (3)	सम राशि
बृहस्पति	मीन	05:38	उत्तरभाद्र (1)	स्व राशि
शुक्र	धनु	16:10	पूर्वाषाढ़ (1)	स्व राशि
शनि	मकर	26:58	धनिष्ठा (2)	स्व राशि
राहु(व.)	मेष	16:44	भरणी (2)	शत्रु राशि
केतु(व.)	तुला	16:44	स्वाति (4)	शत्रु राशि
हर्षल(व.)	मेष	21:17	भरणी (3)	....
नेपच्यून	कुंभ	28:31	पूर्वाभाद (3)	....
प्लूटो	मकर	03:04	उत्तरा (2)	....

लग्न कुण्डली

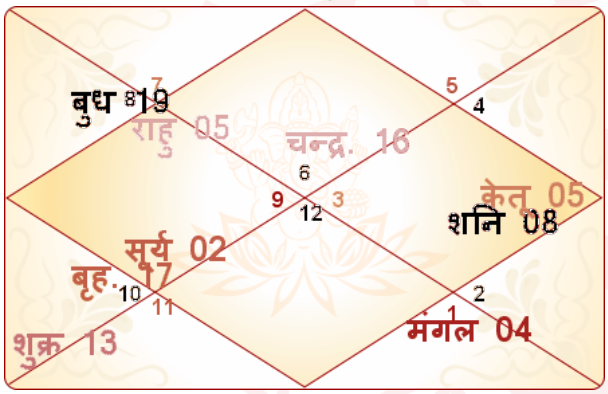

चन्द्र कुण्डली

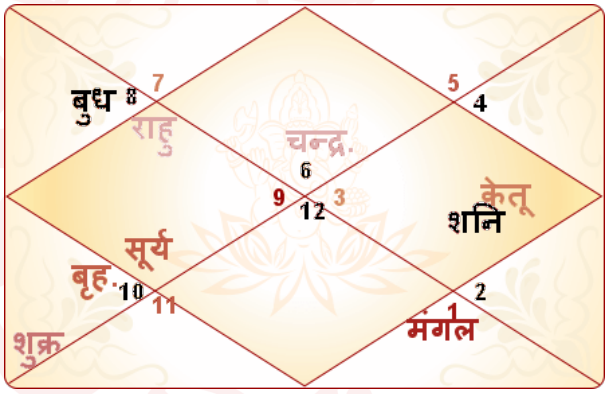

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

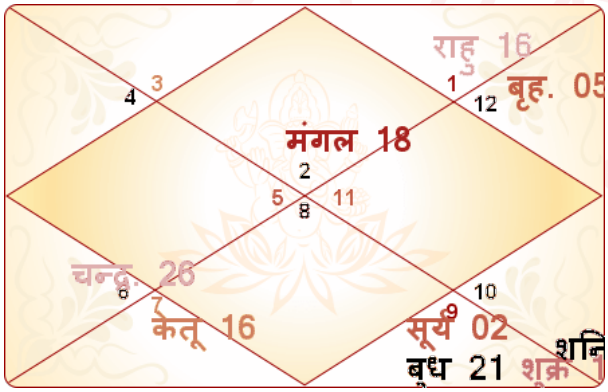

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

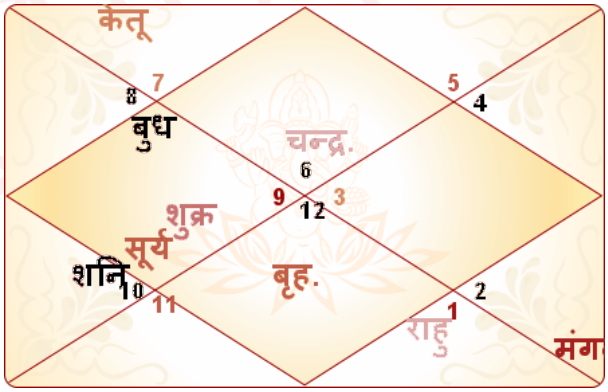

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 49 (2022-2023) Varhphal Date: 18:12:2022, Time: 15:21Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	7.5	7.5	15.0	7.5	30.0	7.5	30.0
2	उच्च बल	5.81	4.1	7.75	9.23	6.74	8.8	9.22
3	हद्दा बल	3.75	11.25	11.25	7.5	3.75	15.0	11.25
4	द्रेक्कन बल	2.5	2.5	7.5	5.0	7.5	2.5	5.0
5	नवांश बल	2.5	1.25	2.5	1.25	1.25	1.25	2.5
	योग	5.51	6.65	11.0	7.62	12.31	8.76	14.49
	तुलनात्मक बल	साधारण	साधारण	बलशाली	साधारण	बलशाली	साधारण	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	0	0	0	0	+2	0	+2
2	होरा बल	+2	0	0	0	0	0	0
3	द्रेक्कन बल	0	0	0	0	+2	0	0
4	चतुर्थांशं बल	0	0	+2	+2	+2	0	0
5	पंचमांशं बल	0	0	0	+2	-1	0	0
6	षष्टांशं बल	0	0	-1	0	-1	0	-1
7	सप्तमांशं बल	0	0	-1	0	0	0	+2
8	अष्टमांशं बल	0	0	-1	0	-1	0	-1
9	नवांशं बल	0	0	0	0	0	0	0
10	दसांशं बल	0	-1	-1	0	+2	+2	0
11	एकादसांशं बल	0	0	+2	0	0	+2	0
12	द्वादशांशं बल	0	+2	-1	0	0	0	-1
	योग	+2	+1	-1	+4	+5	+4	+1
	तुलनात्मक बल	साधारण	साधारण	सम	अच्छा	बहुत अच्छा	अच्छा	साधारण

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0	0.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	0.0	0.0	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0
4	दिवा–रात्रि बल	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	0.0
	योग	5	0	5	5	15	5	10
	तुलनात्मक बल	अल्पबली	निर्बली	अल्पबली	अल्पबली	पर्णबली	अल्पबली	मध्यबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

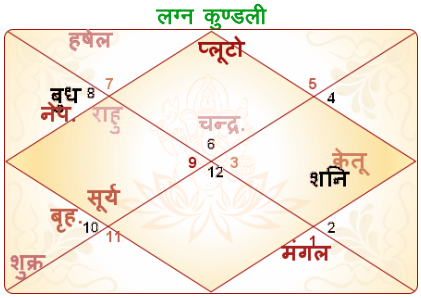

होरा कुण्डली

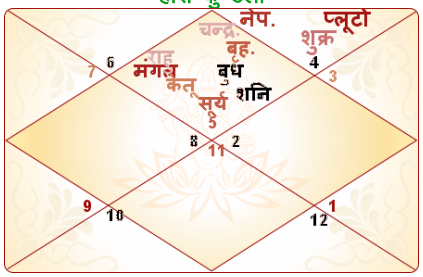

द्रेष्काण कुण्डली

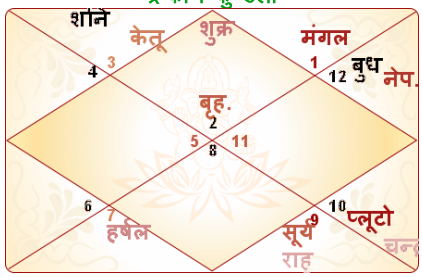

चतुर्थांश कुण्डली

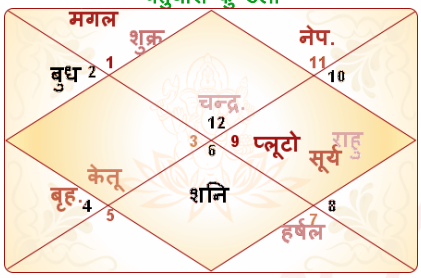

पंचमांश कुण्डली

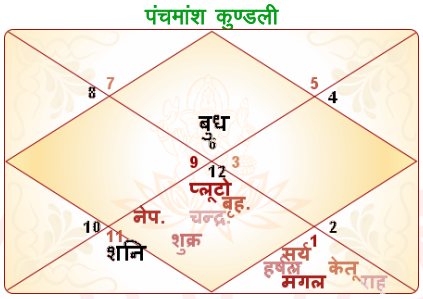

षष्टमांश कुण्डली

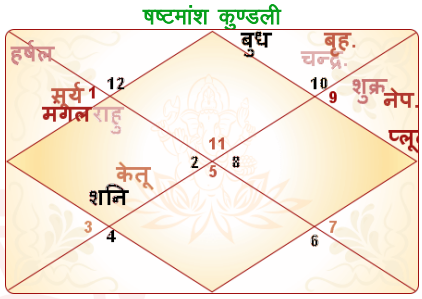

सप्तमांश कुण्डली

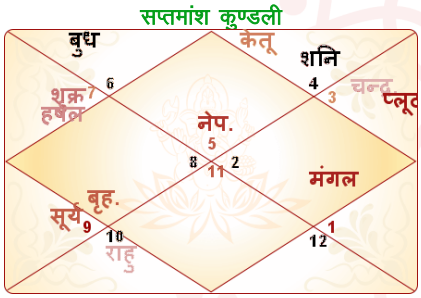

अष्टमांश कुण्डली

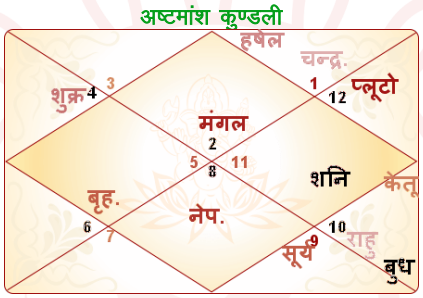

नवांश कुण्डली

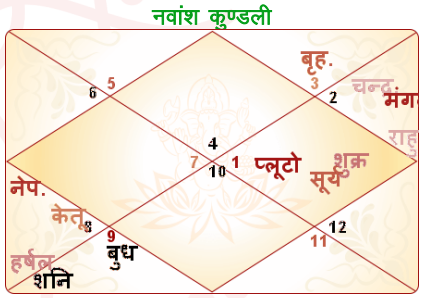

चतुर्विंशांश कुण्डली

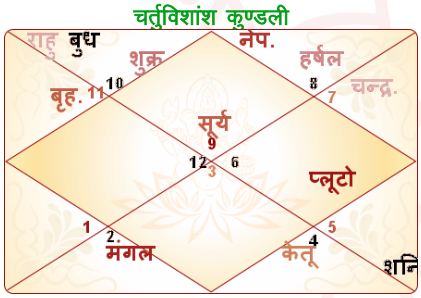

एकादशांश कुण्डली

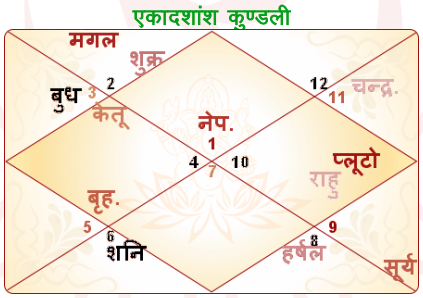

द्वादशांश कुण्डली

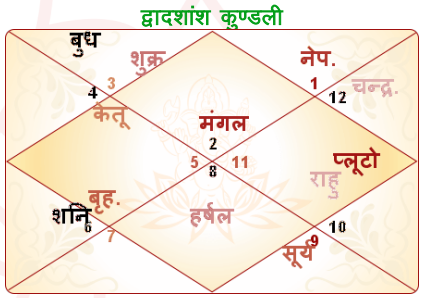

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	गु.शत्रु	सम	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
चंद्र	गु.शत्रु	....	प्र.प्रेम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	सम	सम
मंगळ	सम	प्र.प्रेम	....	सम	गु.प्रेम	सम	प्र.प्रेम	सम	सम
बुध	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	सम	....	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
गुरु	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	गु.शत्रु	....	गु.शत्रु	गु.प्रेम	सम	सम
शुक्र	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	सम	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	....	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
शनि	सम	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	सम	....	गु.शत्रु	गु.शत्रु
राहू	प्र.प्रेम	सम	सम	प्र.प्रेम	सम	प्र.प्रेम	गु.शत्रु	....	प्र.शत्रु
केतु	गु.प्रेम	सम	सम	गु.प्रेम	सम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 49 (2022-2023) Varhphal Date: 18:12:2022, Time: 15:21Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	अवधि	से	दशा	अवधि	से
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	18:12:2022	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	18:12:2022
भ्रमरि (मंगल)	0.0 y.1.0 m.10 d.	18:01:2023	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	22:01:2023
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	27:02:2023	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	01:03:2023
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	19:04:2023	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	10:04:2023
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	19:06:2023	केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	24:05:2023
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	29:08:2023	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	11:07:2023
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	18:11:2023	बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	30:08:2023
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	28:11:2023	शुक्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	23:10:2023

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	लग्न	0.0 y.0.0 m.15 d.	18:12:2022
2	सूर्य	0.0 y.0.0 m.16 d.	02:01:2023
3	गुरु	0.0 y.1.0 m.16 d.	18:01:2023
4	शुक्र	0.0 y.4.0 m.21 d.	04:03:2023
5	मंगल	0.0 y.0.0 m.28 d.	25:07:2023
6	बुध	0.0 y.1.0 m.20 d.	22:08:2023
7	चंद्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	11:10:2023
8	शनि	0.0 y.0.0 m.12 d.	06:12:2023

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	18:12:2022
2	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	14:02:2023
3	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	07:04:2023
4	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	28:04:2023
5	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	28:06:2023
6	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	16:07:2023
7	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	15:08:2023
8	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	06:09:2023
9	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	30:10:2023

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	वृष	0.0 y.0.0 m.21 d.	18:12:2022
2	धनु	0.0 y.0.0 m.13 d.	07:01:2023
3	कर्क	0.0 y.0.0 m.9 d.	19:01:2023
4	कुंभ	0.0 y.1.0 m.15 d.	28:01:2023
5	कन्या	0.0 y.1.0 m.7 d.	14:03:2023
6	मेष	0.0 y.0.0 m.5 d.	20:04:2023
7	वृश्चिक	0.0 y.0.0 m.25 d.	24:04:2023
8	मिथुन	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:05:2023
9	मकर	0.0 y.1.0 m.19 d.	28:06:2023
10	सिंह	0.0 y.1.0 m.3 d.	17:08:2023
11	मीन	0.0 y.1.0 m.19 d.	18:09:2023
12	तुला	0.0 y.1.0 m.11 d.	07:11:2023

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 49 (2022-2023) Varhphal Date: 18:12:2022, 15:21Hrs

लग्न दशा

18:12:2022-01:01:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

सूर्य दशा

02:01:2023-17:01:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से यह एक उदासीन योग का निर्माण करता है। अतः सूर्य की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है एवं आप अपने किसी वरिष्ठ अथवा सहकर्मी के साथ मामूली असहमति अथवा गलतफहमी के कारण झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

गुरु दशा

18:01:2023-03:03:2023

वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। गुरु की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको अपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आप उच्च पद वाले लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे एवं आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय और अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण व्यतीत होगा। आपको सभी प्रकार से संतुष्टि प्राप्त होगी। धर्म और पवित्र प्राचीन गंथों के अध्ययन में आपकी रूचि बढ़ेगी। आप धर्मपरायण लोगों से मिलेंगे एवं धार्मिक प्रवचन सुनेंगे। यदि आप व्यापारी हैं तो यह अवधि आपके लिए उपयोगी, सहजतापूर्ण व लाभदायक होगी।

शुक्र दशा

04:03:2023-24:07:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति

चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

मंगल दशा

25:07:2023-21:08:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः मंगल की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। हालांकि आपको अपने कार्यस्थल पर कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। या फिर आप अपने सगे या चचेरे भाई या पड़ोसी के साथ संपत्ति–विवाद में फंस सकते हैं, जिसके कारण आप झुंझलाहट महसूस कर सकते हैं।

बुध दशा

22:08:2023-10:10:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः बुध की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों के साथ मिलने–जुलने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

चंद्र दशा

11:10:2023-05:12:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

शनि दशा

06:12:2023-17:12:2023

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या

वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 50 (2023-2024) Varhphal Date: 18:12:2023, Time: 21:21Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	21:41	हस्ता(4)	
सूर्य(ग्र.)	धनु	02:15	मूला (1)	**मित्र राशि**
चन्द्रमा	कन्या	16:00	हस्ता (2)	**स्व नक्षत्र**
मंगल	मेष	04:42	अश्विनी (2)	**स्व राशि**
बुध(अ.)	वृश्चिक	19:51	ज्येष्ठा (1)	**स्व नक्षत्र**
बृहस्पति	मकर	17:56	श्रवण (3)	**नीच राशि**
शुक्र	मकर	13:00	श्रवण (1)	**मित्र राशि**
शनि(व.)	मिथुन	08:12	अरिद्रा (1)	**मित्र राशि**
राहु(व.)	धनु	05:10	मूला (2)	**सम राशि**
केतु(व.)	मिथुन	05:10	मृगशिर (4)	**सम राशि**
हर्षल	तुला	03:20	चित्रा (4)	.....
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20	अनुराधा (4)	.....
प्लूटो	कन्या	13:11	हस्ता (1)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कर्क	23:57	हस्ता(3)	
सूर्य	धनु	02:15	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	कुंभ	17:37	शतभिषा (4)	सम राशि
मंगल(अ.)	वृश्चि	23:17	ज्येष्ठा (2)	स्व राशि
बुध(व.)(अ.)	धनु	11:36	मूला (4)	सम राशि
बृहस्पति(व.)	मेष	11:39	अश्विनी (4)	मित्र राशि
शुक्र	तुला	22:18	विशाखा (1)	स्व राशि
शनि	कुंभ	07:58	शतभिषा (1)	स्व राशि
राहु(व.)	मीन	27:23	रेवती (4)	सम राशि
केतु(व.)	कन्या	27:23	चित्रा (2)	सम राशि
हर्षल(व.)	मेष	25:32	भरणी (4)	....
नेपच्यून	मीन	00:44	पूर्वाभाद (4)	....
प्लूटो	मकर	04:46	उत्तरा (3)	....

लग्न कुण्डली

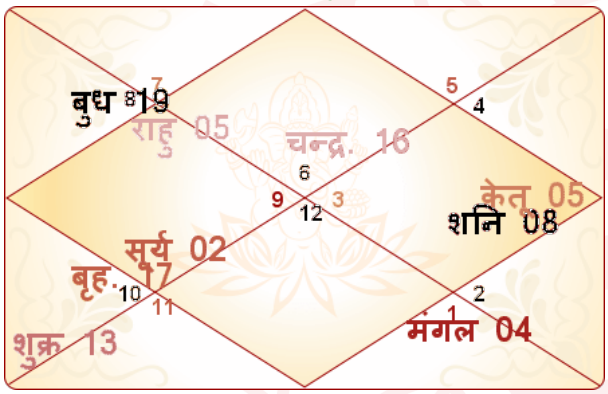

चन्द्र कुण्डली

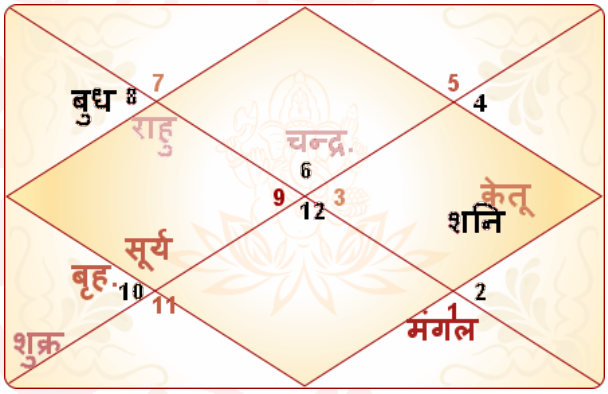

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

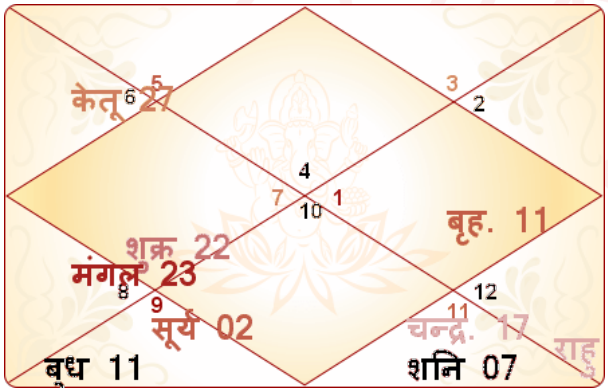

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

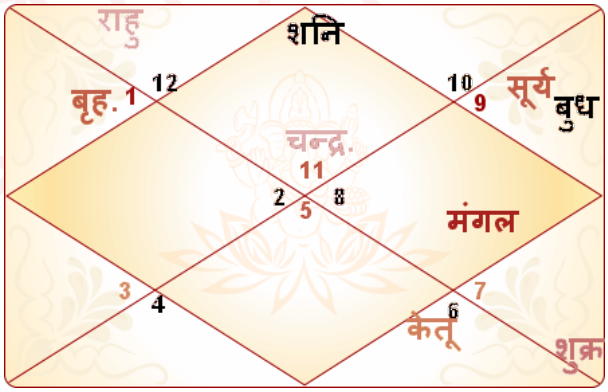

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 50 (2023-2024) Varhphal Date: 18:12:2023, Time: 21:21Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	22.5	7.5	30.0	22.5	15.0	30.0	30.0
2	उच्च बल	5.81	11.63	12.81	10.38	10.74	2.81	8.0
3	हद्दा बल	11.25	11.25	7.5	11.25	3.75	15.0	11.25
4	द्रेक्कन बल	2.5	7.5	5.0	7.5	7.5	2.5	7.5
5	नवांश बल	2.5	3.75	1.25	3.75	3.75	2.5	3.75
	योग	11.14	10.41	14.14	13.85	10.19	13.2	15.12
	तुलनात्मक बल	बलशाली	बलशाली	बलशाली	बलशाली	बलशाली	बलशाली	पूर्णबली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	-1	0	+2	-1	0	+2	+2
2	होरा बल	+2	+2	0	0	-1	-1	-1
3	द्रेक्कन बल	-1	-1	0	0	-1	-1	+2
4	चतुर्थांशं बल	-1	-1	0	-1	-1	0	-1
5	पंचमांशं बल	0	-1	0	-1	-1	-1	+2
6	षष्टांशं बल	0	+2	0	+2	-1	-1	-1
7	सप्तमांशं बल	-1	-1	0	-1	-1	0	-1
8	अष्टमांशं बल	-1	-1	0	-1	-1	-1	-1
9	नवांशं बल	0	-1	0	-1	-1	0	-1
10	दसांशं बल	-1	+2	0	-1	-1	+2	0
11	एकादसांशं बल	-1	-1	0	0	-1	-1	0
12	द्वादशांशं बल	-1	-1	0	0	-1	-1	-1
	योग	-6	-2	+2	-5	-11	-3	-1
	तुलनात्मक बल	बहुत बुरा	सम	साधारण	बहुत बुरा	निकृष्ट	बुरा	सम

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	0.0	5.0	0.0	0.0	5.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	5.0	5.0	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0
4	दिवा–रात्रि बल	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0
	योग	5	10	10	5	5	10	15
	तुलनात्मक बल	अल्पबली	मध्यबली	मध्यबली	अल्पबली	अल्पबली	मध्यबली	पर्णबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

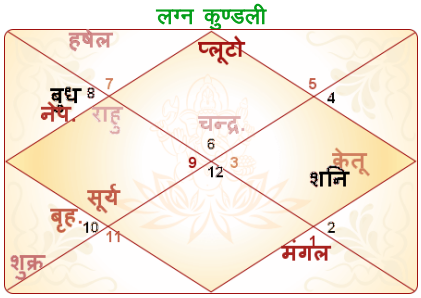

होरा कुण्डली

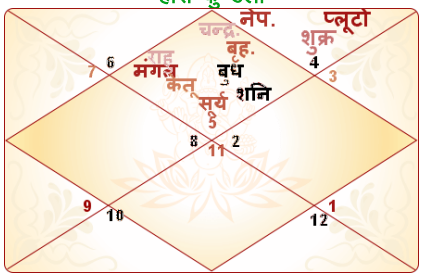

द्रेष्काण कुण्डली

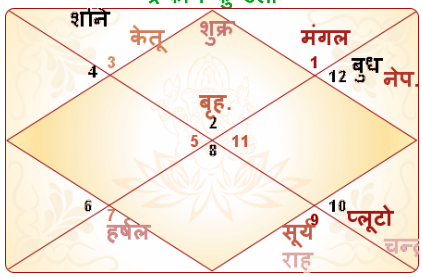

चतुर्थांश कुण्डली

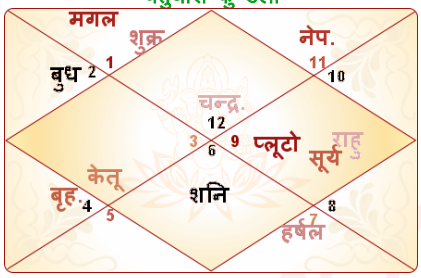

पंचमांश कुण्डली

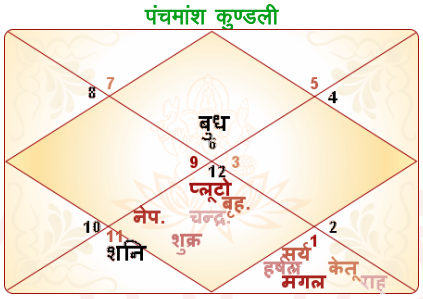

षष्टमांश कुण्डली

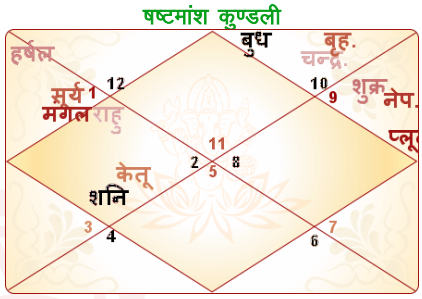

सप्तमांश कुण्डली

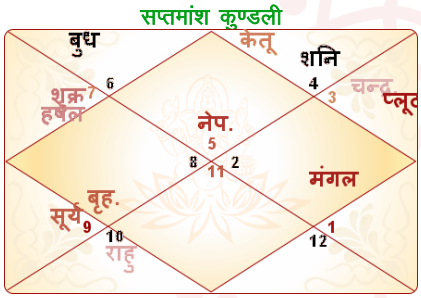

अष्टमांश कुण्डली

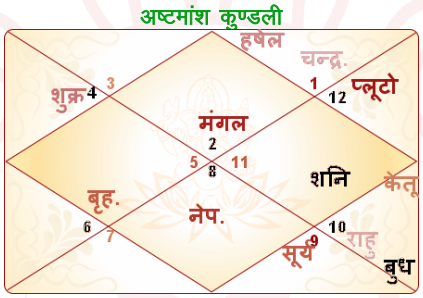

नवांश कुण्डली

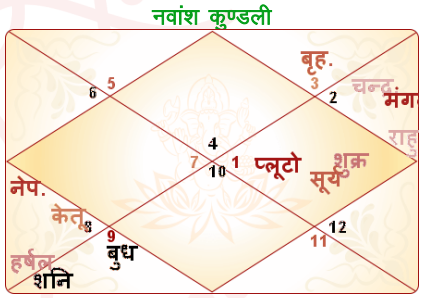

चतुर्विंशांश कुण्डली

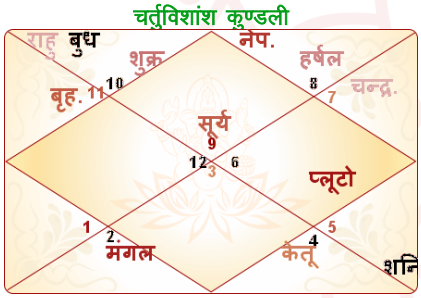

एकादशांश कुण्डली

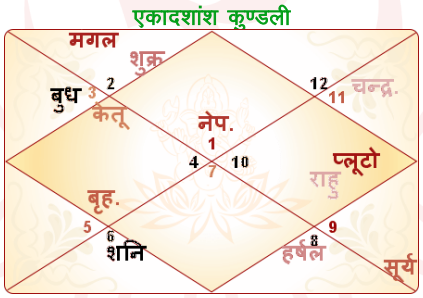

द्वादशांश कुण्डली

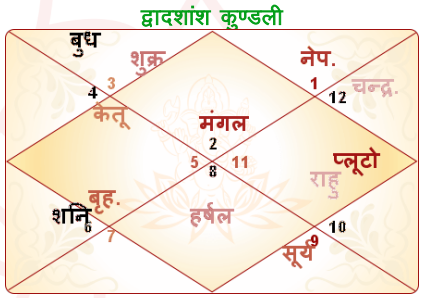

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	गु.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	गु.शत्रु
चंद्र	गु.प्रेम	....	गु.शत्रु	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	प्र.शत्रु	सम	सम
मंगळ	सम	गु.शत्रु	....	सम	सम	सम	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
बुध	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	....	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	गु.शत्रु
गुरु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	सम	प्र.प्रेम	....	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	सम	सम
शुक्र	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	....	प्र.प्रेम	सम	सम
शनि	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	गु.शत्रु	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	....	सम	सम
राहू	गु.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.शत्रु	सम	सम	सम	....	प्र.शत्रु
केतु	गु.शत्रु	सम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	सम	सम	सम	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 50 (2023-2024) Varhphal Date: 18:12:2023, Time: 21:21Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	अवधि	से	दशा	अवधि	से
भ्रमरि (मंगल)	0.0 y.1.0 m.10 d.	18:12:2023	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	18:12:2023
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	28:01:2024	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	25:01:2024
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	19:03:2024	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	06:03:2024
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	19:05:2024	केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	19:04:2024
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	29:07:2024	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	06:06:2024
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	18:10:2024	बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	26:07:2024
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	29:10:2024	शुक्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	18:09:2024
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	18:11:2024	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	14:11:2024

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	18:12:2023
2	शनि	0.0 y.2.0 m.26 d.	22:01:2024
3	बुध	0.0 y.1.0 m.25 d.	18:04:2024
4	गुरु	0.0 y.0.0 m.1 d.	13:06:2024
5	चंद्र	0.0 y.3.0 m.0 d.	13:06:2024
6	शुक्र	0.0 y.2.0 m.11 d.	13:09:2024
7	मंगल	0.0 y.0.0 m.15 d.	23:11:2024
8	लग्न	0.0 y.0.0 m.11 d.	08:12:2024

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:12:2023
2	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	08:02:2024
3	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	01:03:2024
4	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	01:05:2024
5	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	19:05:2024
6	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	18:06:2024
7	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	10:07:2024
8	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	03:09:2024
9	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	21:10:2024

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	कर्क	0.0 y.0.0 m.17 d.	18:12:2023
2	मिथुन	0.0 y.1.0 m.3 d.	03:01:2024
3	वृष	0.0 y.0.0 m.23 d.	05:02:2024
4	मेष	0.0 y.0.0 m.23 d.	27:02:2024
5	मीन	0.0 y.1.0 m.6 d.	21:03:2024
6	कुंभ	0.0 y.1.0 m.9 d.	26:04:2024
7	मकर	0.0 y.1.0 m.6 d.	05:06:2024
8	धनु	0.0 y.0.0 m.26 d.	10:07:2024
9	वृश्चिक	0.0 y.1.0 m.9 d.	06:08:2024
10	तुला	0.0 y.1.0 m.9 d.	14:09:2024
11	कन्या	0.0 y.0.0 m.29 d.	23:10:2024
12	सिंह	0.0 y.0.0 m.26 d.	21:11:2024

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 50 (2023-2024) Varhphal Date: 18:12:2023, 21:21Hrs

सूर्य दशा

18:12:2023-21:01:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

शनि दशा

22:01:2024-17:04:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

बुध दशा

18:04:2024-12:06:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। बुध की दशा आपके लिए अच्छी अवधि नहीं हो सकती है। अतः आपको सावधान व सचेत रहना चाहिए एवं अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिए। आप कफमय एवं वातमय रोगों से पीड़ित हो सकते हैं। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण कार्य की शुरूआत अथवा किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना अधिक फलदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ–कुछ बिगड़ सकती है एवं अपने किसी सहकर्मी से विवाद होने के कारण आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

गुरु दशा

13:06:2024-12:06:2024

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में

बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

चंद्र दशा

13:06:2024-12:09:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त भी नहीं है। अतः चंद्रमा की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/समारोह के होगी। हालांकि आप अपने घरेलू क्षेत्र में कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके कुछ पारिवारिक–सदस्य क्रोधपूर्ण ढंग से बात व व्यवहार कर सकते हैं, जिसके कारण आप काफी चिड़चिड़े व अप्रसन्न हो सकते हैं।

शुक्र दशा

13:09:2024-22:11:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शुक्र की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको अपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आप उच्च पद वाले लोगों से मित्रता स्थापित करेंगे एवं आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपको सभी प्रकार से संतुष्टि प्राप्त होगी एवं एक विपरीत लिंग का व्यक्ति आपके लिए विशेष प्रसन्नता का स्रोत हो सकता है। आपकी आय एवं बहुमूल्य अधिग्रहण में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन बहुत आनन्दमय होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो यह अवधि आपके लिए उपयोगी, सहजतापूर्ण व लाभदायक होगी।

मंगल दशा

23:11:2024-07:12:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल उच्चस्थ या अपनी राशि में स्थित है, किन्तु यह अस्त अथवा ग्रसित होने के कारण दूषित है। अतः मंगल की दशा के दौरान आप कुछ मामूली समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के लिए आप किसी दूरस्थ स्थान की यात्रा कर सकते हैं। आपकी यात्रा के उद्देश्य की पूर्ति आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सकती है। यदि आप नौकरी में हैं तो आपकी प्रगति के अवसर अस्थाई रूप से स्थगित हो सकते हैं। यदि आप व्यापार में हैं तो आप एक बड़ा आपूर्ति का आर्डर प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं, किन्तु यह लम्बी अवधि में बहुत लाभदायक साबित नहीं हो सकता है।

लग्न दशा

08:12:2024-17:12:2024

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके

वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

ग्रह स्थिती वर्षफल

Varhphal Years: 51 (2024-2025) Varhphal Date: 18:12:2024, Time: 03:35Hrs

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	कन्या	21:41	हस्ता(4)	
सूर्य(ग्र.)	धनु	02:15	मूला (1)	**मित्र राशि**
चन्द्रमा	कन्या	16:00	हस्ता (2)	**स्व नक्षत्र**
मंगल	मेष	04:42	अश्विनी (2)	**स्व राशि**
बुध(अ.)	वृश्चिक	19:51	ज्येष्ठा (1)	**स्व नक्षत्र**
बृहस्पति	मकर	17:56	श्रवण (3)	**नीच राशि**
शुक्र	मकर	13:00	श्रवण (1)	**मित्र राशि**
शनि(व.)	मिथुन	08:12	अरिद्रा (1)	**मित्र राशि**
राहु(व.)	धनु	05:10	मूला (2)	**सम राशि**
केतु(व.)	मिथुन	05:10	मृगशिर (4)	**सम राशि**
हर्षल	तुला	03:20	चित्रा (4)	.....
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20	अनुराधा (4)	.....
प्लूटो	कन्या	13:11	हस्ता (1)	.....

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	विशेष
लग्न	तुला	15:31	हस्ता(3)	
सूर्य	धनु	02:15	मूला (1)	मित्र राशि
चन्द्रमा	कर्क	04:55	पुष्य (1)	स्व राशि
मंगल(व.)	कर्क	11:08	पुष्य (3)	नीच राशि
बुध	वृश्चि	12:31	अनुराधा (3)	सम राशि
बृहस्पति(व.)	वृष	20:42	रोहिणी (4)	शत्रु राशि
शुक्र	मकर	17:58	श्रवण (3)	मित्र राशि
शनि	कुंभ	19:23	शतभिषा (4)	स्व राशि
राहु(व.)	मीन	08:02	उत्तरभाद्र (2)	सम राशि
केतु(व.)	कन्या	08:02	उत्तरफाल्ग (4)	सम राशि
हर्षल(व.)	मेष	29:50	कृतिका (1)	....
नेपच्यून	मीन	02:57	पूर्वाभाद (4)	....
प्लूटो	मकर	06:26	उत्तरा (3)	....

लग्न कुण्डली

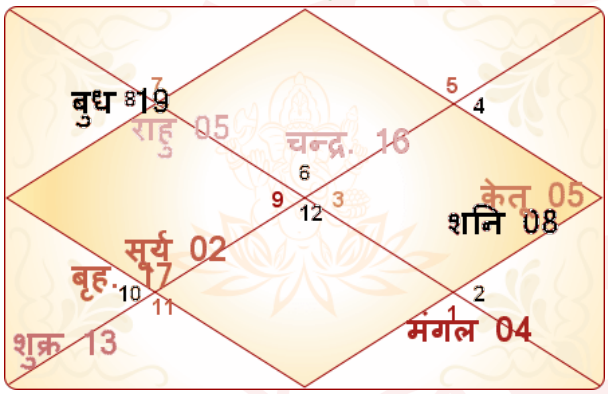

चन्द्र कुण्डली

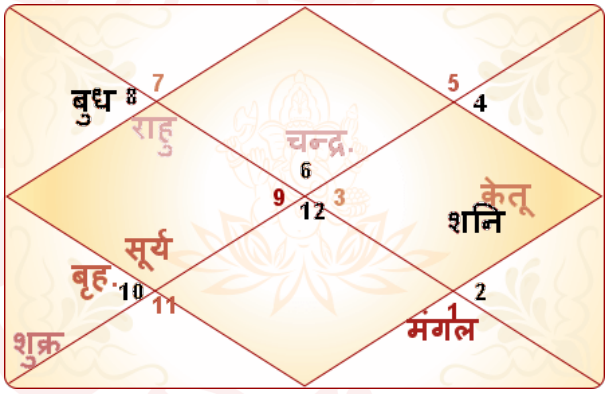

लग्न कुण्डली (वर्षफल)

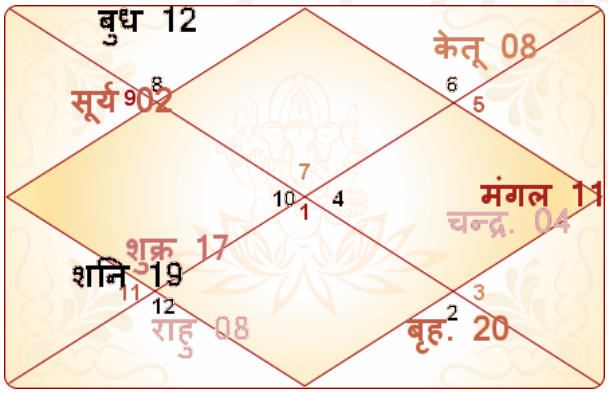

चन्द्र कुण्डली (वर्षफल)

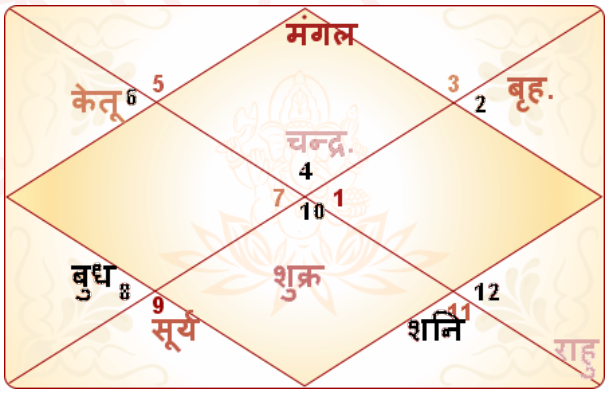

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

Varhphal Years: 51 (2024-2025) Varhphal Date: 18:12:2024, Time: 03:35Hrs

पंचवर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.0	30.0	7.5	22.5	22.5	15.0	30.0
2	उच्च बल	5.81	13.12	1.87	13.61	15.08	12.33	6.73
3	हद्दा बल	7.5	3.75	3.75	15.0	15.0	15.0	3.75
4	द्रेक्कन बल	5.0	2.5	7.5	5.0	2.5	2.5	2.5
5	नवांश बल	2.5	2.5	1.25	3.75	3.75	3.75	1.25
	योग	8.95	12.97	5.47	14.96	14.71	12.14	11.06
	तुलनात्मक बल	साधारण	बलशाली	साधारण	बलशाली	बलशाली	बलशाली	बलशाली

द्वादश वर्गीय बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	राशि बल	0	+2	0	-1	-1	0	+2
2	होरा बल	+2	+2	0	-1	0	0	0
3	द्रेक्कन बल	0	+2	+2	0	0	+2	0
4	चतुर्थांशं बल	0	+2	0	0	-1	0	-1
5	पंचमांशं बल	0	0	0	0	0	-1	0
6	षष्टांशं बल	0	0	-1	0	0	0	0
7	सप्तमांशं बल	0	0	-1	-1	+2	0	0
8	अष्टमांशं बल	0	0	-1	-1	0	0	+2
9	नवांशं बल	0	0	0	-1	-1	-1	0
10	दसांशं बल	0	0	-1	-1	-1	0	-1
11	एकादसांशं बल	0	0	+2	0	+2	0	0
12	द्वादशांशं बल	0	0	+2	0	0	0	0
	योग	+2	+8	+2	-6	0	0	+2
	तुलनात्मक बल	साधारण	साधारण	साधारण	बहुत बुरा	सम	सम	साधारण

हर्ष बल

क्र0स0	बल	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
2	क्षेत्र बल	0.0	5.0	0.0	0.0	0.0	0.0	5.0
3	ओज–युग्म बल	0.0	0.0	5.0	5.0	0.0	0.0	0.0
4	दिवा–रात्रि बल	0.0	5.0	0.0	5.0	0.0	5.0	5.0
	योग	0	10	5	10	0	5	10
	तुलनात्मक बल	निर्बबली	मध्यबली	अल्पबली	मध्यबली	निर्बबली	अल्पबली	मध्यबली

द्वादश वर्ग कुण्डली

लग्न कुण्डली

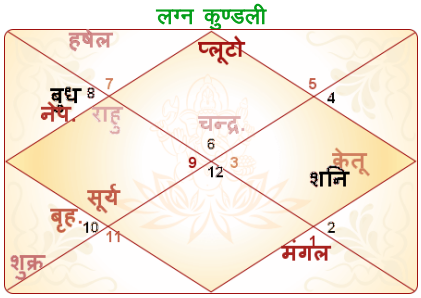

होरा कुण्डली

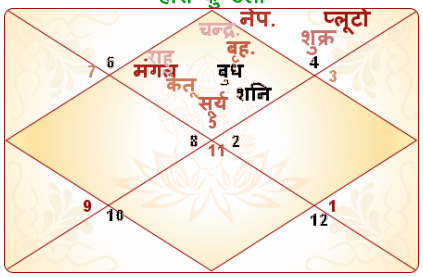

द्रेष्काण कुण्डली

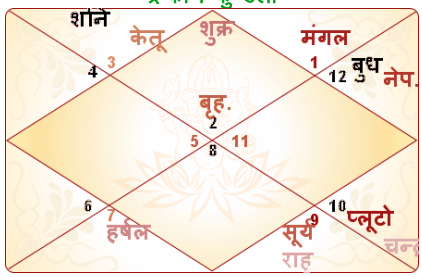

चतुर्थांश कुण्डली

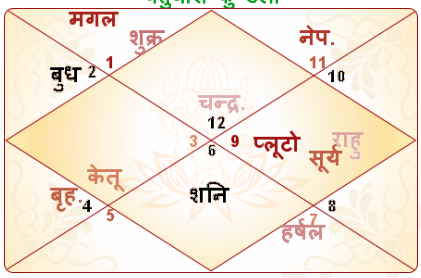

पंचमांश कुण्डली

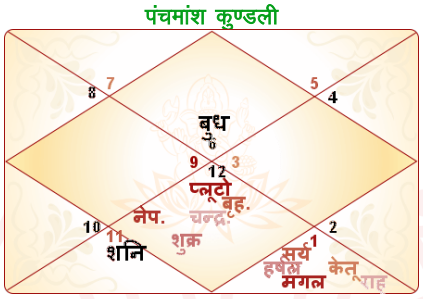

षष्टमांश कुण्डली

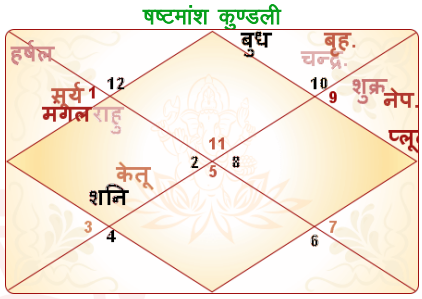

सप्तमांश कुण्डली

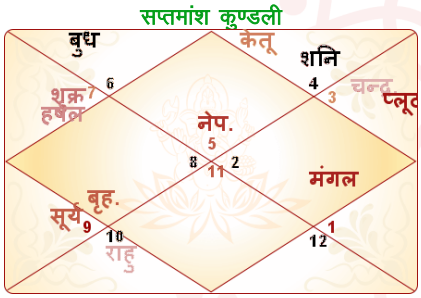

अष्टमांश कुण्डली

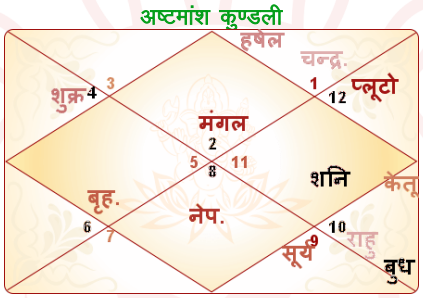

नवांश कुण्डली

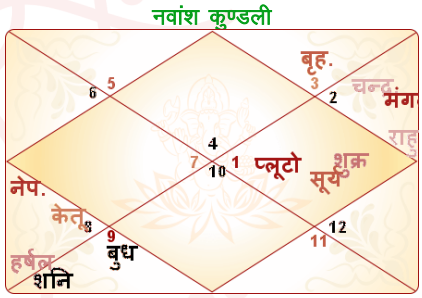

चतुर्विंशांश कुण्डली

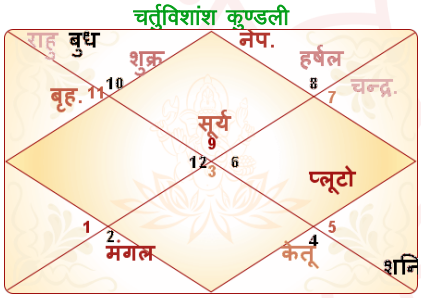

एकादशांश कुण्डली

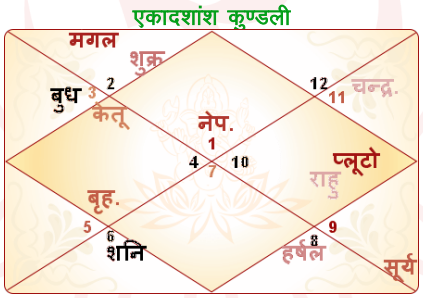

द्वादशांश कुण्डली

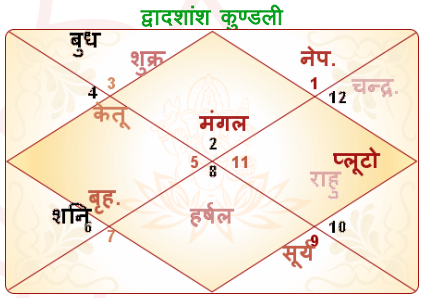

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों की दृष्टि

	सूर्य	चंद्र	मंगळ	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहू	केतु
सूर्य	....	सम	सम	सम	सम	सम	गु.प्रेम	गु.शत्रु	गु.शत्रु
चंद्र	सम	....	प्र.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
मंगळ	सम	प्र.शत्रु	....	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	सम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
बुध	सम	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	....	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	गु.प्रेम
गुरु	सम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.शत्रु	....	प्र.प्रेम	गु.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.प्रेम
शुक्र	सम	प्र.शत्रु	प्र.शत्रु	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	....	सम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम
शनि	गु.प्रेम	सम	सम	गु.शत्रु	गु.शत्रु	सम	....	सम	सम
राहू	गु.शत्रु	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	सम	....	प्र.शत्रु
केतु	गु.शत्रु	गु.प्रेम	गु.प्रेम	गु.प्रेम	प्र.प्रेम	प्र.प्रेम	सम	प्र.शत्रु	....

प्र.प्रेमः–प्रकट प्रेम दृष्टि ,गु.प्रेमः–गुप्त प्रेम दृष्टि ,प्र.शत्रुः–प्रकट शत्रु दृष्टि ,गु.शत्रुः–गुप्त शत्रु दृष्टि ,समः–सम दृष्टि ,

Varhphal Years: 51 (2024-2025) Varhphal Date: 18:12:2024, Time: 03:35Hrs

मुद्दा योगिनी दशा			मुद्दा षोडशोत्तरी दशा		
दशा	अवधि	से	दशा	अवधि	से
भभद्रिका (बुध)	0.0 y.1.0 m.21 d.	18:12:2024	गुरु	0.0 y.1.0 m.11 d.	18:12:2024
उल्का (शनि)	0.0 y.2.0 m.0 d.	06:02:2025	शनि	0.0 y.1.0 m.14 d.	28:01:2025
सिद्धा (शुक्र)	0.0 y.2.0 m.11 d.	08:04:2025	केतु	0.0 y.1.0 m.17 d.	13:03:2025
संकटा (शनि)	0.0 y.2.0 m.20 d.	18:06:2025	चंद्र	0.0 y.1.0 m.20 d.	29:04:2025
मंगला (चन्द्रमा)	0.0 y.0.0 m.10 d.	07:09:2025	बुध	0.0 y.1.0 m.23 d.	18:06:2025
पिगंला (सूर्य)	0.0 y.0.0 m.20 d.	17:09:2025	शुक्र	0.0 y.1.0 m.26 d.	11:08:2025
धान्य (वृहस्पति)	0.0 y.1.0 m.0 d.	08:10:2025	सूर्य	0.0 y.1.0 m.5 d.	06:10:2025
भ्रमरि (मंगल)	0.0 y.1.0 m.10 d.	07:11:2025	मंगल	0.0 y.1.0 m.8 d.	10:11:2025

पत्ययनी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	सूर्य	0.0 y.1.0 m.10 d.	18:12:2024
2	चंद्र	0.0 y.1.0 m.17 d.	27:01:2025
3	मंगल	0.0 y.3.0 m.19 d.	15:03:2025
4	बुध	0.0 y.0.0 m.24 d.	02:07:2025
5	लग्न	0.0 y.1.0 m.23 d.	26:07:2025
6	शुक्र	0.0 y.1.0 m.13 d.	17:09:2025
7	शनि	0.0 y.0.0 m.25 d.	31:10:2025
8	गुरु	0.0 y.0.0 m.23 d.	25:11:2025

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	केतु	0.0 y.0.0 m.21 d.	18:12:2024
2	शुक्र	0.0 y.2.0 m.0 d.	08:01:2025
3	सूर्य	0.0 y.0.0 m.19 d.	10:03:2025
4	चंद्र	0.0 y.1.0 m.0 d.	28:03:2025
5	मंगल	0.0 y.0.0 m.21 d.	27:04:2025
6	राहू	0.0 y.1.0 m.24 d.	19:05:2025
7	गुरु	0.0 y.1.0 m.19 d.	13:07:2025
8	शनि	0.0 y.1.0 m.27 d.	30:08:2025
9	बुध	0.0 y.1.0 m.21 d.	27:10:2025

वर्ष जैमिनी चर दशा

क्र0स0	दशा	अवधि	से
1	तुला	0.0 y.0.0 m.14 d.	18:12:2024
2	वृश्चिक	0.0 y.1.0 m.7 d.	01:01:2025
3	धनु	0.0 y.0.0 m.23 d.	06:02:2025
4	मकर	0.0 y.1.0 m.21 d.	02:03:2025
5	कुंभ	0.0 y.1.0 m.25 d.	21:04:2025
6	मीन	0.0 y.0.0 m.10 d.	16:06:2025
7	मेष	0.0 y.0.0 m.14 d.	25:06:2025
8	वृष	0.0 y.1.0 m.7 d.	09:07:2025
9	मिथुन	0.0 y.0.0 m.23 d.	15:08:2025
10	कर्क	0.0 y.1.0 m.25 d.	07:09:2025
11	सिंह	0.0 y.1.0 m.7 d.	01:11:2025
12	कन्या	0.0 y.0.0 m.10 d.	08:12:2025

पत्ययनी दशाफल

Varhphal Years: 51 (2024-2025) Varhphal Date: 18:12:2024, 03:35Hrs

सूर्य दशा

18:12:2024-26:01:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य उपचय भाव (तीसरे या छठें या दसवें या ग्यारहवें) में स्थित है। यह नीचस्थ अथवा राहु (या केतु) के निकट स्थित नहीं है। यह एक अनुकूल योग है एवं सूर्य की दशा आपके लिए उपयोगी व लाभदायक साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होंगे एवं इस अवधि के दौरान कुछ विशेष उपलब्धि हासिल करेंगे। वरिष्ठ अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी आपके प्रति अनुकूल होंगे एवं आपको उनसे समर्थन व लाभ प्राप्त हो सकता है।

चंद्र दशा

27:01:2025-14:03:2025

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में, चंद्रमा उच्चस्थ या अपनी राशि में है एवं यह ग्रसित नहीं है। चंद्रमा की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपकी आय एवं अर्जित लाभ में वृद्धि होगी एवं आपका घरेलू जीवन सुखमय व शांतिपूर्ण होगा। आप आभूषण व कुछ सम्पत्ति खरीदने के लिए अच्छी रकम खर्च कर सकते हैं। आप अपने संबंधियों व मित्रों से मिलने के लिए कुछ छोटी यात्राएं कर सकते हैं। आप पिकनिक व भ्रमण का भी आनन्द प्राप्त कर सकते हैं।

मंगल दशा

15:03:2025-01:07:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल नीचस्थ है अथवा अस्त या ग्रसित होने के कारण दूषित है। यह एक अनुकूल योग नहीं है। मंगल की दशा आपके लिए उत्तम नहीं हो सकती है। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं रह सकता है एवं आपके सगे या चचेरे भाई आपको सम्पत्ति संबंधी मामलों में परेशान कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण कार्य प्रारम्भ करना या किसी लम्बी यात्रा के लिए प्रस्थान करना लाभदायक नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल पर स्थिति कुछ हद तक बदतर हो सकती है एवं आपकी अपने कुछ सहकर्मियों या वरिष्ठों से असहमति हो सकती है।

बुध दशा

02:07:2025-25:07:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः बुध की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों के साथ मिलने–जुलने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

लग्न दशा

26:07:2025-16:09:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में अथवा नीचस्थ नहीं है। किन्तु यह वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते हैं। अतः लग्न की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना या अवसर के होगी। हालांकि आपके कार्यस्थल की स्थिति कुछ हद तक बिगड़ सकती है। यद्यपि सामान्य लोग आपके साथ सम्मानपूर्ण व्यवहार करेंगे, फिर भी आपके वरिष्ठ/अधिकारी आपको दबाने का प्रयास कर सकते हैं एवं तक्रसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं। या फिर आपको अन्यायपूर्वक बहुत छोटी अथवा बिना किसी गलती के दोषी ठहराया जा सकता है।

शुक्र दशा

17:09:2025-30:10:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः शुक्र की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे। आपका घरेलू जीवन आनन्दपूर्ण व सुखमय होगा।

शनि दशा

31:10:2025-24:11:2025

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि उच्चस्थ अथवा अपनी राशि में स्थित है एवं यह अस्त या ग्रसित होने से दूषित नहीं है। शनि की दशा के दौरान आप अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको नऐ परिचितों एवं विदेशी स्रोतों से लाभ व समर्थन प्राप्त होगा। आपका परिचय कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के साथ हो सकता है, जिसके कारण आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे। आपकी आय में वृद्धि होगी एवं आपके स्तर में सुधार होगा। आपमें संतोष की भावना विकसित होगी, किन्तु अपने प्रयुक्त किए जाने वाले साधनों/उपायों पर आपको नजर रखना चाहिए। साथी आपको सावधान व सतक्र रहना चाहिए, क्योंकि आपके किसी दुर्घटना का सामना करने और/या वातमय रोगों से पीड़ित होने का खतरा है।

गुरु दशा

25:11:2025-17:12:2025

श्श इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, गुरु उच्चस्थ या नीचस्थ या अपनी राशि में स्थित नहीं है एवं यह ग्रसित या अस्त नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन योग का निर्माण करते है। अतः गुरु की दशा केवल साधारण होगी एवं बिना किसी महत्वपूर्ण घटना/अवसर के होगी। सामान्यतः आपके सभी मामलें भली भांति चलेंगे। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहजतापूर्ण ढंग से होंगी। अपने सगे–संबंधियों व मित्रों की संगति में बिताने के लिए आप कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होंगे।

Disclaimer

The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/ MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.

www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.

All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.

Wishing the very best – prosperity and happiness.

Prepared by webjyotishi.com on 01 June 2021, 04:17:18PM
Please visit us at https://www.webjyotishi.com Email: mindsutra@mindsutra.com
Phone: +91 98181 93410

MindSutra Software Technologies
A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,
Uttam Nagar, New Delhi-110059